हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 149 | देहरादून, मंगलवार, 05 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

पढ़िए धामी कैबिनेट द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय 3

मेरी योजना : ई-बुक से मुख्यमंत्री धामी ने बिखेरी उम्मीद के दीपक की रोशनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 दिसंबर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग,उत्तराखण्ड शासन द्वारा तैयार की गई पुस्तक '' मेरी योजना'' का विमोचन ई0 बुक के रूप में किया।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आम जनता के हित में लागू की जाने वाली विभिन्न योजनाओं को पुस्तक के माध्यम से सरल भाषा में समझाने का प्रयास किया गया है। इससे जन सामान्य को जनहितकारी योजनाओं को सरल भाषा में समझने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक जनप्रतिनिधियों तथा आम जनमानस के साथ-साथ अधिकारी गणों एवं कर्मियों के लिए भी उपयोगी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया की जानकारी, आवेदन कैसे और कहां करना है एवं योजनाओं की पात्रता/चयन प्रक्रिया क्या है तथा आवेदन हेतु किन-किन आवश्यक दस्तावेजों की आवश्यकता रहती है। इससे संबंधित जानकारी को सुलभता से समझाने की प्रक्रिया को पुस्तक के रूप में सरल भाषा में समावेश किया जाना निश्चित रूप से सभी के लिए उपयोगी रहेगा।सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन दीपक कुमार ने बताया कि इस पुस्तक को प्रकाशित करने का मूल उद्देश्य जनसामान्य को जनकल्याणकारी, स्वरोजगार परक, रोजगारपरक, कौशल विकास, प्रशिक्षण परक एवं निवेश परियोजनाओं की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराना है।

सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन ने बताया कि इस पुस्तक में लगभग 55 विभागों, संस्थाओं, संगठनों, बोर्ड, प्राधिकरण, एजेंसियों एवं आयोगों की लगभग 400 योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों के मूलभूत सेवाओं, प्रमाणपत्रों, पोर्टल का समावेश किया गया है।

इससे राज्य सरकार के सभी विभागों द्वारा आम जनमानस के हित में संचालित की जाने वाली योजनाओं की जानकारी इस पुस्तक के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाना है। इस अवसर पर कार्यक्रम क्रियान्वयन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने 18 जीआई प्रमाण पत्रों का किया वितरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जीआई प्रमाण पत्रों का वितरण किया। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है, जिसे एक दिन में सबसे अधिक 18 जीआई प्रमाण पत्र मिले हैं। अब तक उत्तराखण्ड के कुल 27 उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है। राज्य को जो 18 नये जी.आई प्रमाण पत्र मिले हैं उनमें उत्तराखण्ड चौलाई, झंगोरा, मंडुआ, लाल चावल, अल्मोड़ा लखोरी मिर्च, बेरीनाग चाय, बुरांस शरबत, रामनगर नैनीताल लीची, रामगढ़ आड़ू, माल्टा, पहाड़ी तोर, गहत, काला भट्ट, बिच्छूबूटी फैब्रिक, नैनीताल मोमबत्ती, कुमांऊनी रंगवाली पिछोड़ा, चमोली रम्माण मास्क तथा लिखाई वुड कार्विंग शामिल हैं। उत्तराखण्ड के नौ उत्पादों तेजपात, बासमती चावल, ऐपण आर्ट, मुनस्यारी का सफेद राजमा, रिंगाल क्राफ्ट, थुलमा, भोटिया दन, च्यूरा ऑयल तथा ताम्र उत्पाद को पहले ही जी.आई टैग प्राप्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच के कारण ही आज भारत सरकार से उत्तराखंड के 18 उत्पादों को भौगोलिक संकेतक टैग युक्त प्रमाण पत्र मिल पाए हैं। जिन उत्पादों को जीआई टैग प्रमाण पत्र प्रदान किये गये, उनके उत्पादकों को भी मुख्यमंत्री ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन उत्तराखण्ड के लिए ऐतिहासिक है। 2003 में जीआई कानून बनने से लेकर 2023 तक के बीस वर्षों के सफर में पहली बार एक दिन में, एक साथ किसी राज्य के 18 उत्पादों को जीआई प्रमाण पत्र निर्गत किये गए हैं। इस उपलब्धि से उत्तराखंड के पहाड़ी व्यंजनों के साथ ही कई अन्य वस्तुओं तथा इनसे संबंधित कलाकारों को काफी लाभ होने के साथ ही दुनियाभर में उत्तराखंड को अलग पहचान मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जीआई टैग युक्त उत्तराखण्ड के उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रयासों को इससे और मजबूती मिलेगी।

राज्य में कुल 27 उत्पादों को मिल चुका है जीआई टैग

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के सभी जिलों में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक जनपद, दो उत्पाद' योजना पर राज्य में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। इस योजना के तहत बाजार में मांग के अनुरूप कौशल विकास, डिजाइन, रॉ मैटेरियल, नई तकनीक आदि के आधार पर प्रत्येक जिले में दो उत्पादों का विकास किया जा रहा है। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में वहां के स्थानीय उत्पादों को पहचान कर उनके अनुरूप परंपरागत उद्योगों का विकास करना योजना का मुख्य उद्देश्य है। इस योजना से स्थानीय काश्तकारों एवं शिल्पकारों के लिए जहां एक ओर स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हर जिले के स्थानीय उत्पादों को विश्वस्तरीय पहचान मिल रही है।

कृषि एवं उद्यान मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड के लिए आज का दिन बेहद हर्ष का दिन है। उन्होंने कहा उत्तराखण्ड के मोटे अनाज मण्डुआ, झंगोरा, लाल चावल सहित 18 उत्पादों को एक साथ भौगोलिक सकेंतक (जीआई टैग) प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्म निर्भर भारत तथा लोकल फॉर ग्लोबल अभियान को बढ़ावा देने एवं श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए जो मार्ग दर्शन दिये गये हैं, उसके अनुरूप प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जीआई के लिए प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राज्य को एक साथ 18 उत्पादों के जीआई टैग प्राप्त हुए हैं जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उत्तराखण्ड के 09 उत्पादों को जीआई टैग पहले ही मिल चुका है। कृषि मंत्री ने कहा कि 12 से 18 जनवरी 2024 तक एक सप्ताह का देहरादून में प्रदेश स्तरीय जी.आई महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड मण्डी परिषद एवं विपणन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अनिल डब्बू, प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार भाष्कर खुल्बे, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, पद्मश्री एंव जीआई विशेषज्ञ रजनीकांत, महानिदेशक कृषि रणवीर सिंह चौहान, और वर्चुअल माध्यम से भारत सरकार के महानियंत्रक प्रो. उन्नत पी. पंडित उपस्थित थे।

भारत की दस सबसे अनोखी बातें जो आपको जानना चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , अपने देश भारत मे ऐसी कुछ बाते जिन्हें आपने कभी नहीं सुना होगा. यू तो हमारे देश भारत की संस्कृति पूरे दुनिया भर मे मशहूर है.पर यहा पर कुछ ऐसे भी राज और अनसुनी बाते है.तो चलिये बताते है की कौन सी है दस वो अनोखी बात जिसको आपने न कभी देखा है न सुना है

भारत की सबसे ऊची जगह सियाचीन

एक वक्त था जब भारत पूरे दुनिया मे अपने शोहरत के लिए जाना जाता था. इस लिए इसे सोने की चिड़िया कहते थे हालांकि ये हालत अब बदल चुकी है. भले ही मेरा देश भारत दुनिया के अमीरों देशो की गिनती मे नहीं आता मगर ऊंचाई के मामले मे सबसे आगे है. ये जगह कोई और नहीं बल्कि सियाचीन है. जहा भारत और पाकिस्तान अपना हक जताते है. सियाचीन पृथ्वी का सबसे ऊँचा कम बैक्ट जोन माना जाता है. और इसकी ऊंचाई पानी के स्तर से 5700 मीटर ऊंचाई पर है.

अँग्रेजी बोलने वाले लोग

वैसे तो ज़्यादातर लोग भारत मे ही बोलते है. यहा पर अँग्रेजी बोलने वालों की संख्या भी बहुत ज्यादा है. अमेरिका के बाद भारत ऐसा देश है जिसमे 125 मिलियन लोग अँग्रेजी जानते है. और बोल सकते है. ये आकडा ये बताता है की 10 % अंगेजीं बोलने वाले लोग भारत मे ही रहते है.

सोने का देश

भारत को यू ही सोने की चिड़िया नहीं कहा जाता था. भारत की महिलावों के पास इतना सोना है. की जो दुनिया के बड़े -बड़े देशो मे भी नहीं है. एक सर्वे मे यह पाया गया था की दुनिया का 11% सोना भारत के महिलाओं के पास पाया जाता है. भले ही सोने की कीमत कितनी भी हो पर हमारे देश मे सोने को शुभ भी माना जाता है. यू तो हमारे देश भारत की संस्कृति पूरे दुनिया भर मे मशहूर है.पर यहा पर कुछ ऐसे भी राज और अनसुनी बाते है.indian facts in hindi.

भारत का पहला राकेट लांच साइकिल पर

भारत देश का सबसे पहला राकेट लांच सन 1963 मे केरला के एक छोटे से गाँव थुंबा मे हुआ था. आश्चर्य की बात ये है की ये राकेट इतना छोटा था की इसे एक साइकिल से थुंबा पहुचाया गया था. भारत का सबसे पहला सफल राकेट लांच था. जो बहुत ही चर्चा मे आया था यह राकेट इसरो के ग्रुप के लोगो ने उड़ाया था. और उनकी टीम मे हमारे भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत के मिशाइल मैन डॉ. कलाम भी सामील थे.

दुनिया की सबसे लंबी गुफा भारत मे ही है

आपको यकीन नहीं होता होगा ये सुनकर. की दुनिया का सबसे लंबी गुफा भारत मे है. पर ये सच है जी हा बिलकुल भारत नायाब चीजों का मालिक है. और ये मेघालय मे स्थित क्रमपुरी को दुनिया दुनिया मे सबसे लंबी गुफा माना जाता है. इसकी लंबाई लगभग 24 हजार मीटर है. जो की दुनिया की सबसे लंबी गुफा है भारत मे 9 सबसे लंबे और गहराई वाले गुफा मेघालय मे ही पाये जाते है.

दुनिया का सबसे बड़ा पेड़

आपने बिलकुल ठीक सुना. आंध्र प्रदेश मे एक ऐसा बरगद का पेड़ है. जिसने गिनीज़ बुक मे अपनी जगह बना ली है. क्या आप ये सुनकर हैरान है ,लेकिन ये सच है आंध्र प्रदेश मे तिमम्मा मारीमुन गाँव मे 550 साल पुराना बरगद का पेड़ है. जिसमे 1100 शाखाये है. और यह बरगद का पेड़ 2.1 हेक्टयेर मे फैला हुआ है ये दुनिया का सबसे पुराना और बड़ा पेड़ है और 500 साल से अधिक उसी जगह पर खड़ा है. यू तो हमारे देश भारत की संस्कृति पूरे दुनिया भर मे मशहूर है.पर यहा पर कुछ ऐसे भी राज और अनसुनी बाते है.indian facts in hindi.

बारिश का कहर सबसे ज्यादा भारत मे ही होती है

वैसे तो भारत मे सबसे ज्यादा बारिश का कहर मेघालय मे रहता है. पर वो कौन सी जगह है जहा सबसे ज्यादा बारिश मिलता है. ये जगह है मोहसीन राम कहा जाता है. यहा इतनी बारिश होती है की मजदूर अपना पूरा शरीर ढकने जैसा छाता हमेशा लिए रहते है. यहा पर रोज 467 इंच बारिश रिकॉर्ड की जाती है . जो की दुनिया मे कही नहीं होता.

मेग्नेटिक हिल्स

लद्दाख जाना तो हर भारतीय का सपना होता है.और आप लोगो मे से कई लोग गए भी होंगे मगर क्या आपने मेग्नेटिक हिल्स के बारे मे सुना है. ये एक ऐसी जगह है .लद्दाख मे जो आपके रुके हुये कार को भी ऊपर खिच सकती है. चौक गए न सुनकर मेग्नेटिक हिल्स एक टुरिस्ट जगह बन गयी है. यहा विदेशी लोग अधिकतर आते है. यह दुनिया के एक आश्चर्य और अद्भुत घटनावों मे से एक है.

शनि शिगनापुर

शनि भगवान के बारे मे यू बहुत लोगो ने सुना होगा. क्योकि शनि भगवान का सबसे प्रसिद्ध मंदिर वही है.आपने किसी के घर मे से बाहर निकलने का दरवाजा नहीं होता लोगो की मान्यता है की यहा अगर कोई चोरी करेगा तो उसके ऊपर भगवान शनि का कोप लग जाएगा. इस गाँव मे कोई पुलिस स्टेशन भी नहीं है.

युमन कम्प्युटर

आप सबने शकुंतला देवी का नाम जरूर सुना होगा. उन्हे युमन कल्कुलेटर के नाम से जाना जाता है. क्योकि वे पहली मैथ मेक्टिसियन महिला थी. जिसने लंदन मे 2 डिजिट 13 संख्या का गुणन सिर्फ 28 सेकंड मे किया था. संकुंतला देवी को युमन कम्प्युटर कहा जाता है. उनका नाम गिनीज़ बुक मे दर्ज है. उन्होने काफी सारी किताबे भी लिखी है. संकुंतला देवी का नाम न ही भारत मे बल्कि पूरी दुनिया मे मशहूर है. यू तो हमारे देश भारत की संस्कृति पूरे दुनिया भर मे मशहूर है.

क्या पूर्व महिला अधिकारियों को एक्ससर्विसमैन नहीं कहा जायेगा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने भारतीय सेना की एक पूर्व अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इसमें मांग की गई है कि केंद्र सरकार एक्स सर्विसमैन शब्द को एक्स सर्विस मेंबर या एक्स सर्विस एम्प्लॉई के रूप में परिभाषित करने की दिशा में निर्देश तय करे। कोर्ट में लगाई अपनी याचिका में आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन ने तर्क दिया है कि वह एक महिला हैं, पुरुष नहीं, इसलिए उनके जैसी पूर्व महिला अधिकारियों को एक्ससर्विसमैन नहीं कहा जाना चाहिए।

तर्क-लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देता है यह

उच्च न्यायालय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रितु बाहरी और न्यायमूर्ति निधि गुप्ता की खंडपीठ के समक्ष यह याचिका पंजाब के साहनेवाल की रिटायर्ड कैप्टन सुखजीत पाल कौर ने दायर की है। उन्होंने बताया कि जहां महिलाएं हमेशा नर्सों और डॉक्टरों के रूप में सेना का हिस्सा थीं, वहीं वे 1990 के दशक से अन्य हथियारों और सेवाओं में भी सेवा दे रही हैं और अब उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस आशय के निर्णयों के बाद कमांड नियुक्तियां भी कर रही हैं। हालांकि, याचिकाकर्ता के अनुसार, पूर्व महिला अधिकारियों को सरकारी नीतियों और योजनाओं में "पूर्व-सेवा पुरुष" और "पूर्व-सेवा पुरुष" के रूप में संदर्भित किया जाता रहा। याचिकाकर्ता ने कहा, "इससे न केवल गलत लिंग निर्धारण होता है बल्कि यह पुराना लगता है और लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देता है।" याचिका में कहा गया है, "हालांकि महिलाओं के लिए सैन्य भूमिकाएं खोलने में बहुत प्रगति हुई है, लेकिन लैंगिक भाषा का निरंतर उपयोग रक्षा सेवाओं में अधिक समावेशी वातावरण के लिए एक महत्वपूर्ण, फिर भी हटाने में आसान बाधा

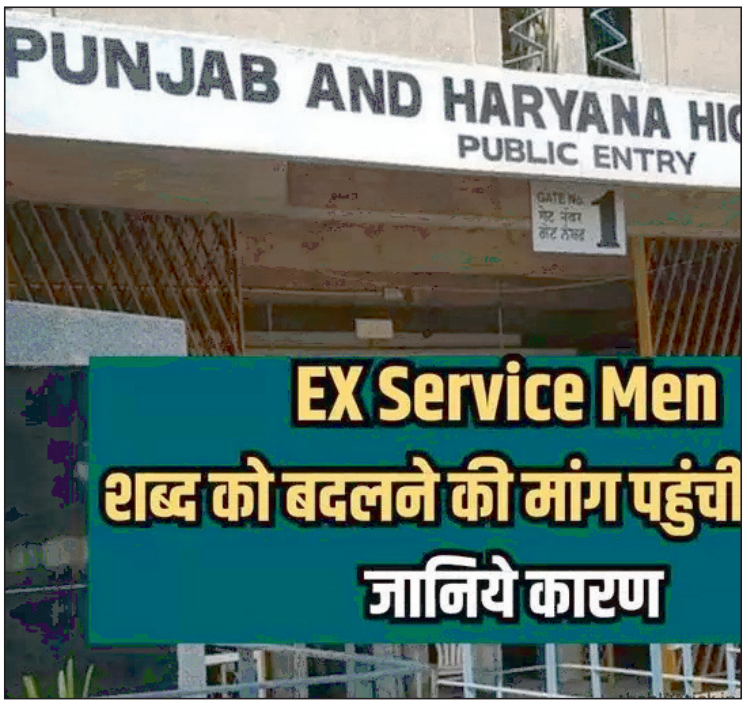

बनी हुई है।"याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि वह स्पष्ट रूप से एक पुरुष नहीं है, एक महिला है, इसलिए याचिकाकर्ता या किसी अन्य महिला अधिकारी को भूतपूर्व सैनिक कहने का कोई अवसर नहीं होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा है कि लैंगिक समानता केवल अधिक महिलाओं को रोजगार देने के बारे में नहीं है, बल्कि यह समझना भी है कि लिंग विभिन्न स्तरों पर कैसे काम करता है, जिसमें लिंग-समावेशी भाषा का उपयोग भी शामिल है। याचिका में संसद और नाटो सहित वैश्विक स्तर पर विभिन्न सेनाओं और प्रतिष्ठानों द्वारा अपनाई जाने वाली लिंग-समावेशी भाषा को भी सूचीबद्ध किया गया है।

बदलने चाहिए शब्द

पंजाब और हरियाणा HC ने भारतीय सेना की एक पूर्व महिला अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है, जिसमें यह निर्देश देने की मांग की गई है कि पूर्व सैनिक शब्द को लिंग-तटस्थ और पूर्व-सेवा सदस्यों जैसे लिंग-समावेशी शब्दों से बदल दिया जाए। या पूर्व-सेवा कर्मी। कैप्टन सुखजीत पाल कौर सानेवाल (सेवानिवृत्त), जो सेना में प्रारंभिक शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों में से एक थीं, ने बताया कि पूर्व महिला अधिकारियों को सरकारी नीतियों और योजनाओं में पूर्व सैनिक और पूर्व सैनिक के रूप में संदर्भित किया जाता रहा, जिसके परिणामस्वरूप गलत लिंग निर्धारण और लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देना।

न रोकें पॉटी, नतीजे होंगे जानलेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , नेचर कॉल एक बेहद स्वाभाविक प्रक्रिया है. ये इंसान के लिए बेहद जरुरी है. बॉडी की गंदगी के बाहर निकलने का एक तरीका है. लेकिन हम में से कई लोग इसे लेकर कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसका अंजाम खतरनाक हो सकता है. कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि लोगों को प्रेशर आने के बाद उसे रोकना पड़ जाता है. इसकी कई वजहें हो सकती है लेकिन आपको बता दें कि ऐसा करना आपके लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है.

पॉटी को कितने दिनों तक रोक सकते है?

हर किसी व्यक्ति के पॉटी जाने की क्षमता अलग-अलग होती है और हर व्यक्ति के शौच जाने का समय भी अलग-अलग होता है। कुछ लोग एक दिन में एक बार ही शौच जाते हैं जबकि कुछ लोगों को पेट साफ करने के लिए कई बार शौच जाने की जरूरत होती है। किसी व्यक्ति के शौच जाने की क्षमता उसकी आयु और डाइट पर निर्भर करती है। ज्यादातर लोग दिन में दो-तीन बार ही शौच के लिए जाते हैं। शौच जाने के समय में बदलाव कब्ज का संकेत हो सकता है।

एक्सपर्ट्स ने लोगों को इस बारे में वार्न किया है. उन्होंने बताया कि क्यों प्रेशर आने पर उसे रोकना खतरनाक है. ये कई समस्याओं को न्योता देने जैसा है. इनमें से कुछ समस्याएं तो ऐसी हैं जिसके बारे में हम सोच भी नहीं सकते. अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो प्रेशर आने पर इसे रोकते हैं तो ये खबर पढ़ने के बाद आज से आप ऐसा करना बंद कर देंगे. इसकी वजह से ना सिर्फ आपको कॉन्स्टिपेटेड फील होता है बल्कि इसके कई लॉन्ग टर्म इफेक्ट भी होते हैं.

जरूरत पड़े तो ऐसे रोकें पॉटी

रेक्टल वॉल को रिलैक्स करें: रेक्टल मसल्स को रिलैक्स करने से शौच जाने की जल्दी को अस्थायी रूप से कम किया जा सकता है।पेट पर दबाव देने से बचें: पेट पर दबाव डालने से मल को बाहर निकालने में मदद मिलती है इसलिए पेट पर दबाव न डालें।कूल्हें की मांसपेशियों को दबाना: यह मलाशय की मांसपेशियों को तनाव में रखने में मदद कर सकता है।स्क्वाट न करें: इसके बजाय लेट जाएं या खड़े रहें। ये बाउल मूवमेंट के लिए प्राकृतिक स्थिति नहीं हैं, इसलिए जब भी ऐसा हो तो लेट जाएं।

पढ़िए धामी कैबिनेट द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

1-चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

राजकीय मेडिकल कॉलेज, हरिद्वार में 100 एम०बी०बी०एस० प्रशिक्षु क्षमता के संचालन हेतु आवश्यक पदों के सृजन के संबंध में।

उत्तराखण्ड एक पर्वतीय एवं विषम भौगोलिक स्थितियों वाला राज्य है। प्रदेश के पर्वतीय, दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में भी जनसामान्य के लिए विशेषीकृत चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार द्वारा 90:10 के अनुपात में केन्द्र पोषित योजना (सी०एस०एस०) के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, हरिद्वार को स्वीकृत किया गया है। राजकीय मेडिकल कॉलेज, हरिद्वार को वर्ष 2024-25 से एम०बी०बी०एस० कक्षायें संचालित किये जाने हेतु शासन स्तर से अनिवार्यता प्रमाण पत्र निर्गत किया जा चुका है। अतः एन०एम०सी० से एम०बी०बी०एस० कक्षायें संचालित किये जाने हेतु अनुमति प्राप्त किये जाने के संबंध में उक्त नवीन स्वीकृत मेडिकल कॉलेज के त्वरित संचालन, अन्य व्यवस्थाओं एवं पर्यवेक्षण आदि किये जाने हेतु ढांचा सृजित किया गया है।

2-चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

राजकीय मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ में 100 एम०बी०बी०एस० प्रशिक्षु क्षमता के संचालन हेतु आवश्यक पदों के सृजन के संबंध में।

उत्तराखण्ड एक पर्वतीय एवं विषम भौगोलिक स्थितियों वाला राज्य है। प्रदेश को पर्वतीय, दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में भी जनसामान्य के लिए विशेषीकृत चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार द्वारा 90:10 के अनुपात में केन्द्र पोषित योजना (सी०एस०एस०) के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ को रवीकृत किया गया है। राजकीय मेडिकल कॉलेज, पिथौरागढ़ को आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु अनिवार्यता प्रमाण पत्र निर्गत किये जाने की कार्यवाही गतिमान है। अतः एन०एम०सी० से एम०बी०बी०एस० कक्षायें संचालित किये जाने हेतु अनुमति प्राप्त किये जाने के संबंध में उक्त नयीन रवीकृत मेडिकल कॉलेज के त्वरित संचालन, अन्य व्यवरथाओं एवं पर्यवेक्षण आदि किये जाने हेतु ढांचा सृजित किया गया है।

3-माध्यमिक शिक्षा विभाग

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय हाईस्कूल एवं राजकीय इण्टर कालेजों में शिक्षकों के लम्बे अवकाश की स्थिति में छात्रहित में अस्थाई शिक्षकों को प्रतिवादन की दर से मानदेय पर कार्ययोजित किए जाने के सम्बन्ध में।माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत शिक्षकों के रिक्त पदों के अतिरिक्त दीर्घावकाश यथा चिकित्सा अवकाश, मातृत्व अवकाश एवं बाल्य देखभाल अवकाश आदि के फलस्वरूप प्रदेश में हर समय लगभग 1500-2000 शिक्षक 15 दिन से 06 माह की अवधि तक अवकाश पर रहने के कारण छात्र-छात्राओं का शिक्षण कार्य प्रभावित होता है एवं शैक्षिक गुणवत्ता पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

2- उपरोक्त कठिनाई के दृष्टिगत सहायक अध्यापक एल०टी० तथा प्रवक्ता संवर्ग के महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक / शिक्षिकाओं के कम से कम एक माह के दीर्घ अवकाश की स्थिति में सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। निर्धारित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हता रखने वाले अभ्यथी को मैरिट के आधार पर सहायक अध्यापक एल०टी० के विषयों हेतु रू0 200.00 (दो सौ) एवं प्रवक्ता के विषय हेतु 250.00 (दो सौ पचास) प्रतिवादन की दर से मानदेय पर शिक्षण कार्य हेतु तात्कालिक / नितान्त अस्थायी व्यवस्था पर सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी से अनुमोदनोपरान्त कार्ययोजित किया जायेगा। विद्यालय के सेवित क्षेत्र के निकटस्थ निर्धारित योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी को वरीयता प्रदान की जायेगी। उक्त योजना प्रदेश हित में लागू किए जाने का निर्णय मा० मंत्रिमण्डल द्वारा लिया गया है।

4-वित्त विभाग

उत्तर प्रदेश के समय से तैनात आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारियों की तदर्थ सेवाओं को अर्हकारी सेवा के रूप में आगणित करते हुए पेंशन एवं सेवानिवृत्तिक लाभ अनुमन्य कराये जाने के सम्बन्ध में।दिनांक-01 अक्टूबर, 2005 से पूर्व तदर्थ रूप से नियुक्त राज्य सरकार के अन्तर्गत आयुष विभाग के चिकित्सक एवं अन्य कार्मिक तथा राज्य सरकार के अन्य राजकीय विभागों में कार्यरत समस्त कार्मिक, जो दिनाक 01 अक्टूबर, 2005 के उपरान्त विनियमित किये गये हों या जिनका विनियमितीकरण आदेश निर्गत करने से पूर्व निधन हो गया हो, अथवा सेवानिवृत्त हो गये हों तथा जो उत्तराखण्ड विनियमितीकरण नियमावली, 2002 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत दिनांक 01 अक्टूबर, 2005 से पूर्व विनियमितीकरण की अर्हता रखते हों, एवं तत्समय नियमित पद रिक्त हो, के सम्बन्ध में कार्यवाही की जानी प्रस्तावित है।

5-वित्त अनुभाग-9

उत्तराखण्ड राज्य में लेखपत्रों के निबंधन की प्रक्रिया में Virtual Registration की प्रक्रिया को पंजीकरण की कार्यवाही में कार्यान्वयन किये जाने के सम्बन्ध में।वर्तमान में राज्य में लेखपत्रों के निबंधन में पक्षकारों को अभी कार्यालय में उपस्थित हो कर बयान दर्ज कराने के पश्चात निबंधन कराना पड़ता है। Virtual Registration की प्रक्रिया के अस्तित्व में आने के पश्चात पक्षकार अपने ही स्थान से लेखपत्र को तैयार कर आनलाइन लिंक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकेंगें साथ ही उम्रदराज, बीमार एवं असहाय लोगों को कार्यालय में उपस्थित हो कर लेखपत्रों का निबंधन कराने से मुक्ति प्राप्त होगी। पक्षकारों के दूरस्थ स्थानों पर होने के फलस्वरूप विलेखों का पंजीकरण सम्भव नही हो पाता है, अतः ऐसे विलेखों का पंजीकरण आसान होगा। उक्त के अतिरिक्त Virtual Registration की प्रक्रिया को लागू होने से औद्योगिक निवेश को बल मिलेगा।

उप निबंधक कार्यालय Video KYC के माध्यम से पक्षकारों का सत्यापन एवं विलेख में वर्णित तथ्यों का परीक्षण कर विलेखों के पंजीकरण की कार्यवाही को E-Sign के माध्यम से पूर्ण करेंगें। पक्षकार विलेख की Digitally Singed Copy को आनलाइन अपलोड करना भी सम्भव होगा। Virtual Registration की प्रक्रिया को आधार प्रमाणीकरण से भी अंर्तसम्बन्धित (लिंक) किया जायेगा जिससे कि जनसुविधा के साथ साथ फर्जीवाड़े पर भी रोक लग सके।

उक्त क्रम में भारत सरकार द्वारा निम्न कार्यों हेतु आधार प्रमाणिकरण का ऐच्छिक रूप से प्रयोग किये जाने हेतु अनुमति प्रदान की गयी है-

1. विलेखों का पंजीकरण ।2.वि वा ह पंजीकरण।3.विवाह प्रमाण एवं लेखपत्रों की प्रमाणित प्रति निर्गत करना।4. भा र मुक्त प्रमाण (Non Encumbrance Certificate) 5. पंजीकृत लेखपत्रों के ई-सर्च।

उपरोक्त कार्यों के सफल कियान्वयन हेतु स्टाम्प एवं निबन्धन विभाग को Sub-KUA (e-KYC User Agency) के रूप में अधिकृत किये जाने हेतु भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण एवं NIC/C-DAC के साथ एम.ओ.यू. की प्रक्रिया जल्द सम्पन्न की जायेगी। आधार प्रमाणीकरण हेतु शासन से अनुमति के उपरान्त अधिसूचना निर्गत की जा चुकी है।

6-उत्कृष्ट विद्यालयों (Centre For Excellence) की स्थापना के सम्बन्ध में।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए अनुकूल वातावरण के अन्तर्गत गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान किये जाने हेतु प्रदेश में 559 उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की जानी है। उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में ऐसे विद्यालय का चयन किया जाएगा जिसके 15 कि0मी की परिधि में अधिक से अधिक राजकीय हाईस्कूल एवं राजकीय इण्टर कालेज संचालित हों।

2- उत्कृष्ट विद्यालयों में आवश्यक भौतिक संसाधनों के अन्तर्गत यथाआवश्यक खेल का मैदान, कक्षा-कक्ष, शौचालय, पेयजल तथा चाहरदीवारी की समुचित व्यवस्था की जायेगी। विद्यालय में इण्टर स्तर पर भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर तथा गणित विषय की प्रयोगशालायें विकसित की जायेंगी तथा हाईस्कूल स्तर पर विज्ञान, गणित एवं कम्प्यूटर की प्रयोगशलायें स्थापित की जायेगी। उत्कृष्ट विद्यालय

में प्रत्येक विषय हेतु शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के साथ-साथ विद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम भी विकसित किये जाने होंगे, जिससे आधुनिकतम शैक्षिक तकनीकी का उपयोग छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन हेतु किया जायेगा। योजना में लगभग 240 करोड़ का व्यय सम्भावित है।

3- उत्कृष्ट विद्यालयों में निकटवर्ती क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों हेतु स्थानीय स्तर पर ट्रांस्पोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उक्त योजना प्रदेश हित में लागू किए जाने का निर्णय मा० मंत्रिमण्डल द्वारा लिया गया है।

7-ग्रामीण निर्माण विभाग।

'मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना' प्रारम्भ किये जाने के सम्बन्ध में।

मा० मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के कम में ग्रामीण निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रस्तावित 'मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना' के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के ऐसे गाँव/तोक जिनकी आबादी 250 तक है, को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए नई योजना अनुमोदित की गयी है, जिसमें ऐसे गाँवों / बसावटों को सम्पर्क में लाया जायेगा, जो कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अथवा लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना / मानकों में सम्मिलित नहीं है। वर्तमान में प्रदेश की लगभग 2035 बसावटें मुख्य मोटर मागों से नहीं जुड़ी हैं तथा 1142 बसावटें ऐसी हैं जो ग्रामीण सड़कों के मानकों के अनुसार नहीं बनी हैं। इस प्रकार कुल 3177 बसावटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने हेतु नई योजना में सम्मिलित किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत मोटर मागों के अतिरिक्त पैदल पुलिया, मोटरपुल, अश्वमार्ग, झूला पुल निर्माण आदि प्रस्तावित किए जा सकेंगे।

इस योजना के दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे, जिससे सीमान्त क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के फलस्वरूप पर्यटन, आजीविका बढोत्तरी से स्थानीय लोग लाभान्वित होंगे तथा आकस्मिकता / आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में भी आसानी होगी।

8-कार्मिक एवं सतर्कता विभाग।

उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 2004 के नियम 27 के उपनियम (1) एवं (2) में संशोधन ।

उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-4072, दिनांक 20 नवम्बर, 2004 द्वारा उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 2004 प्रख्यापित की गई है, जिसमें उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा में भर्ती का स्त्रोत, अर्हतायें, आयु, योग्यता, पदोन्नति, स्थायीकरण, वेतनमान, ज्येष्ठता इत्यादि सेवा की शर्तें निर्धारित की गई हैं। मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित सिविल रिट याचिका संख्या 643/2015 ऑल इण्डिया जजेस एसोसियेशन बनाम भारत संघ व अन्य में मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 19.05.2023 को सुनवाई उपरान्त पारित आदेश के अनुपालन एवं तत्क्रम में मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त संस्तुति के क्रम में उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 2004 के नियम 27 के उपनियम (1) एवं (2) में संशोधन करते हुए उच्चतर न्यायिक सेवा संवर्ग के 35 प्रतिशत पदों पर चयन वेतनमान (सेलेक्शन ग्रेड) एवं संवर्ग की सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत पदों पर सुपर टाईम स्केल अनुमन्य किये जाने का निर्णय लिया गया है।

9-कार्मिक एवं सतर्कता विभाग।

उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा नियमावली, 2005 में 'सिविल न्यायाधीश' एवं 'वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश' के पदनाम में संशोधन ।

उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-2041/XXX(4)/2022-04(07)/2016, दिनांक 19 अक्टूबर, 2022 द्वारा उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा नियमावली, 2005 में 'सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी)' का पदनाम परिवर्तित करते हुए 'सिविल न्यायाधीश' और 'सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी)' का पदनाम परिवर्तित करते हुए 'वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश' किया गया है। मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित सिविल रिट याचिका संख्या 643/2015 ऑल इण्डिया जजेस एसोसियेशन बनाम भारत संघ व अन्य में मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा दिनांक 19.05.2023 को सुनवाई उपरान्त पारित आदेश के अनुपालन एवं तत्क्रम में मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त संस्तुति के क्रम में 'सिविल न्यायाधीश' का पदनाम परिवर्तित करते हुए 'सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी)' एवं 'वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश' का पदनाम परिवर्तित करते हुए 'सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी)' किये जाने हेतु उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा नियमावली, 2005 में पदनाम परिवर्तित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

10-नागरिक उड्डयन विभाग

राज्य सरकार के सशक्त उत्तराखण्ड मिशन के तहत, राज्य के पहाड़ी क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से सुरम्य गंतव्य स्थानों तक पहुंच, आपातकालीन चिकित्सा और आपदा सेवाओं में आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए राज्य में हैलीपैड एवं हैलीपोर्ट की अपार संभावनाओं को देखते हुए, उत्तराखण्ड सरकार के अंतर्गत उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा या प्राधिकरण), जो कि राज्य में नागरिक उड्डयन अवसंरचना एवं पारिस्थतिकी के विकास हेतु प्रमुख निकाय है, द्वारा 'उत्तराखण्ड हैलीपैड एवं हैलीपोर्ट नीति 2023' (या नीति) प्रस्तावित की है। इस नीति में दो विकल्प प्रस्तावित किये गये हैं जिनमें प्रथम विकल्प के अनुसार चयनित भूमि मालिक हैलीपैड / हैलीपोर्ट विकास के लिए प्राधिकरण को 15 साल के लिए पट्टे पर भूमि प्रदान कर सकते हैं जिस पर प्राधिकरण द्वारा चयनित भूमि पार्सल पर डीजीसीए नियमों द्वारा लागू डिजाइन और विशिष्टताओं के आधार पर हैलीपैड / हैलीपोर्ट को विकसित किया जायेगा। वित्तपोषण और विकास की लागत प्राधिकरण द्वारा वहन की जायेगी। आवेदक/भू-स्वामी को प्रतिवर्ष 100 रूपये प्रति वर्ग मी किराया भुगतान किया जायेगा एवं इसके अतिरिक्त, चयनित आवेदक/भू-स्वामी को निर्मित हैलीपैड / हैलीपोर्ट के संचालन एवं प्रबंधन से प्राप्त होने वाले राजस्व का 50 प्रतिशत भुगतान किया जायेगा।

दूसरे विकल्प के तहत चयनित आवेदक/भू-स्वामी द्वारा लागत में किसी भी वृद्धि सहित हेलीपैड / हेलीपोर्ट के वित्तपोषण और विकास की पूरी लागत का वहन किया जाएगा। हैलीपैड के लिए लगभग 10 से 20 लाख तथा हैलीपोर्ट के लिए लगभग 2 से 3 करोड़ की पूंजीगत आवश्यकता रहेगी। हैलीपैड / हैलीपोर्ट के विकास, संचालन एवं प्रबंधन (O&M) हेतु सभी प्रासंगिक अनुमोदन (डी०जी०सी०ए० लाईसेंस/संचालन अनुमति सहित) प्राप्त करने की जिम्मेदारी आवेदकों/भू-स्वामियों की होगी। प्राधिकरण प्रासंगिक अनुमोदन (डी०जी०सी०ए० लाईसेंस / संचालन अनुमति सहित) प्राप्त किये जाने हेतु सहायता करेगा। चयनित आवेदक/भू-स्वामी द्वारा भूमि पार्सल को, प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराये गये डिजाइन और विशिष्टताओं के अनुरूप, हैलीपैड / हैलीपोर्टस के रूप में विकसित किया जायेगा। डी०जी०सी०ए० लाईसेंस/अनुमोदन की वैधता की अवधि के दौरान, आवेदक/भू-स्वामी हैलीपैड / हैलीपोर्ट उपयोगकर्ताओं से सभी राजस्व एकत्र करेंगे। वाणिज्यिक संचालन तिथि से न्यूनतम 10 साल तक, प्राधिकरण सम्बन्धित हैलीपैड/हैलीपोर्ट के लिए, पात्र पूंजीगत सम्पत्ति (Eligible Capital Assets) के विकास पर होने वाले वास्तविक पूंजी व्यय या यूकाडा द्वारा उपलब्ध कराये गये पूंजीगत व्यय (CAPEX) का आंकलन, इनमें से जो भी कम हो के 50 प्रतिशत के बराबर पूंजीगत सब्सिडी प्रदान करेगा। पूंजीगत सब्सिडी का भुगतान दो बराबर किश्तों में किया जायेगा।

दोनों ही विकल्पों पर आवेदक/भू-स्वामी हेतु प्रस्तावित नीति में निर्धारित सभी मानकों/शर्तों तथा हैलीपैड हेतु न्यूनतम 1000 वर्ग मी० समतल भूमि क्षेत्र (30X30 मी०) एवं मू-क्षेत्र तथा हैलीपोर्ट हेतु न्यूनतम 4,000 वर्ग मीटर समतल भूमि क्षेत्र (प्रत्येक तरफ लगभग 50 मीटर) या जैसा प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट की जायें, को पूरा किया जाना होगा।

11-विभाग का नाम - राजस्व विभाग (अनुभाग-2)

गोविन्द बल्लभ पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, गढ़वाल इकाई श्रीनगर को ग्राम गुगली, पट्टी चौरास, तह० कीर्तिनगर, जनपद टिहरी गढ़वाल में सःशुल्क आवंटित भूमि के नजराने में छूट प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

जी०बी० पन्त राष्ट्रीय हिमालयी संस्थान एवं इसके क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के माध्यम से उत्तराखण्ड राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। उक्त संस्थान द्वारा राज्य में विभिन्न पर्यावरण योजनाओं और जैव विविधता संबंधी कार्यों यथा कृषि, मृदा संरक्षण, बागवानी, वाटरशेड प्रबंधन आदि के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उत्तराखण्ड राज्य के परिप्रेक्ष्य में उक्त संस्थान के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए गोविन्द बल्लभ पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, गढ़वाल इकाई श्रीनगर को शासनादेश दिनांक 14.06.2023 द्वारा ग्राम गुगली, तहसील कीर्तिनगर अन्तर्गत सःशुल्क आवंटित भूमि के नजराने की धनराशि में छूट प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है।

12-उत्तराखण्ड सूचना प्रौद्योगिकी (परिवहन विभाग में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड दाखिल, सृजित एवं जारी करने का यूजर चार्ज) (संशोधन) नियमावली, 2023 के सम्बन्ध में।

राज्य एवं विभाग हित के दृष्टिगत इलेक्ट्रानिक रिकार्ड्स दाखिल, सृजित एवं जारी करने के लिये प्रति संव्यवहार यूजर चार्ज की धनराशि व अन्य कतिपय नियमों में संशोधन किये जाने के उद्देश्य से मूल नियमावली, 2011 के नियम-2, 3, 5, एवं 7 में संशोधन के तहत 'आटोमेटिड ड्राईविंग टेस्ट ट्रैक' दुपहिया वाहन अथवा हल्के मोटरयान का वाहन चालन परीक्षण सुगमता से किया जाना, चालक लाईसेन्स प्राप्त करने हेतु आने वाले आवेदकों से यूजर चार्ज के अतिरिक्त वाहन चालन परीक्षा हेतु पृथक से रू0 100.00 यूजर चार्ज दिया जाना, 'राष्ट्रीयकृत बैंक' शब्दों के स्थान पर 'अधिसूचित बैंक', 'चैक पोस्ट पर' शब्दों के स्थान पर 'सचल प्रर्वतन दल के कार्यालय में' एवं आटोमेटिड ड्राईविंग टेस्ट ट्रैक हेतु सेन्सर, मोबाईल फोन, सीसीटीवी, साफ्टवेयर तथा अन्य आवश्यक उपकरणों का क्रय एवं अनुरक्षण जोड़ा जाना प्रस्तावित है। उक्त प्रस्ताव पर मा० मंत्रिमण्डल द्वारा सहमति प्रदान की गयी है।

13-महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग।'नन्दा देवी कन्याधन योजना-हमारी कन्या हमारा अभिमान' योजनान्तर्गत वंचित लाभार्थियों को लाभान्वित किये जाने के संबंध में।

सेंट्रियो होन्क लिटिल मास्टर्स के ग्रैंड फिनाले का हुआ समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 दिसंबर : लखनऊ और वाराणसी में अपनी भारी सफलता के बाद, मीशा थिएटर द्वारा प्रस्तुत सेंट्रियो हॉन्क लिटिल मास्टर्स का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले देहरादून के सेंट्रियो मॉल में युवा प्रतिभाओं के शानदार प्रदर्शन के साथ आयोजित किया गया। यह भव्य परिणति शहर भर में आयोजित 2200 प्रतिभागियों के कई ऑडिशन के बाद हुई, जिसमें सबसे प्रभावशाली और सबसे होनहार सितारों की खोज की गई।

मीशाज़ थिएटर उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले में स्थापित एक प्रसिद्ध नाट्य इकाई है जो बच्चों को पेशेवर अभिनेताओं में बदलने, प्रदर्शन कला को बढ़ावा देने और विभिन्न आयु समूहों के दर्शकों के लिए व्यापक अनुभव बनाने के लिए समर्पित है ने यह आयोजन देहरादून में किया।

सेंट्रियो होन्क लिटिल मास्टर्स के ग्रैंड फिनाले ने न केवल युवा प्रतिभा की प्रचुरता का जश्न मनाया बल्कि कला के लिए सामुदायिक भागीदारी और समर्थन के महत्व पर भी जोर दिया। इस आयोजन की तीन श्रेणियां थीं सौंदर्य प्रतियोगिताः नन्हे-मुन्नों ने आकर्षण और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया और अपनी संतुलित और सुंदर रैंप वॉक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरी श्रेणी प्रतिभा जिसमे नृत्य और गायन से लेकर अद्वितीय कौशल तक प्रतिभाओं का बहुरूपदर्शक सामने आया, जो प्रतिभागियों की बहुमुखी क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

तीसरी श्रेणी किडप्रेन्यूअर एक्सपोः युवा उद्यमियों ने युवा व्यावसायिक दिमागों की भावना को मूर्त रूप देते हुए अपने नवीन विचारों और रचनाओं का प्रदर्शन किया। आयु के अनुसार समूह बनाए गए थे जिसमे बच्चेः 3 वर्ष से कम, जूनियरः 3-5 वर्ष, वरिष्ठः 6-11 वर्ष, सुपर सीनियरः 12-17 वर्ष तक। जज के रूप में कुछ प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी अविश्वसनीय उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जिनमें प्रथम दिवस रचना पांधी, अभिषेक कपूर, कनक भारत पाराशर, रमा गोयल एवं मीनाक्षी मनोचा मौजूद रहे। दूसरे दिन बतौर जज पूर्व राज्य मंत्री रविंद्र सिंह आनंद, कांग्रेस नेता अभिनव थापर, आचार्य वर्षा माटा, अर्चना सिंगल, माणिक कौर एवं अमित कपूर मौजूद रहे।इस कार्यक्रम में बैक टू बैक प्रदर्शन, किडप्रेन्योर्स के स्टॉल और एक समापन समारोह शामिल था, जहां सभी आयु वर्ग के सभी प्रतिभागियों को उनकी विशेष श्रेणी की भागीदारी में जीतने के लिए पुरस्कार दिए गए।

अपनी कलात्मक कृतियों का स्टॉल लगाने वाली नवोदित उद्यमी अभिलाषा धनगर को किडप्रेन्यूअर एक्सपो में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। सुपर सीनियर से टैलेंट हंट (गायन) की विजेता लावण्या को टी-सीरीज़ के साथ एक गाना रिकॉर्ड करने के अवसर से सम्मानित किया गया। ब्यूटी पेजेंट श्रेणी में सुपर सीनियर्स मनन नेगी और सृष्टि सिंह को मिस्टर हॉन्क और मिस हॉन्क के खिताब से सम्मानित किया गया। कुल मिलाकर, प्रतिभागियों और दर्शकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

निपटा लें बैंक के काम, दिसंबर में इतने दिन बंद रहेंगे बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , दिसंबर के महीने में बैंकों का कामकाज प्रभावित रह सकता है. अगले महीने जहां हॉलिडे की छुट्टियां भी पड़ रही हैं वहीं बैंक यूनियन ने हड़ताल की घोषणा भी की थी, जिसके चलते बैंक कई दिनों पर बंद रह सकते हैं.अगर छुट्टियों की बात करें तो अगले महीने 18 दिन बैंकों की आधिकारिक छुट्टी रहेगी.इसमें शनिवार और रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं. इसके अलावा, दिसंबर में बैंकों की 6 दिन की हड़ताल भी रहेगी, जिसपर बैंक बंद रह सकते हैं.

दिसंबर में कब-कब बंद रहेंगे बैंक?

1 दिसंबर, 2023- स्टेट इनॉग्रेशन डे/इंडिजेनस फेथ डे
4 दिसंबर, 2023- फीस्ट ऑफ सेंट फ्रांसिस ज़ेवियर
12 दिसंबर, 2023- Pa-Togan Nengminja Sangma
13 और 14 दिसंबर, 2023- Losoong/Namsoong
18 दिसंबर, 2023- U SoSo Tham का परिनिर्वाण दिवस
19 दिसंबर, 2023- गोवा लिबरेशन डे
25 दिसंबर, 2023- क्रिसमस
26 दिसंबर, 2023- क्रिसमस सेलिब्रेशन
27 दिसंबर और 30 दिसंबर- क्रिसमस और U Kiang Nangbah

वीकेंड की छुट्टियां कब-कब रहेंगी?

3 दिसंबर- रविवार
9 दिसंबर- दूसरा शनिवार
10 दिसंबर- रविवार

17 दिसंबर- रविवार
23 दिसंबर- चौथा शनिवार
24 दिसंबर- रविवार
31 दिसंबर- रविवार

कब हड़ताल पर जाएंगे बैंक?

AIEBA यानी All India Bank Employees' Association ने बीते दिनों ये घोषणा की वो 4 दिसंबर से लेकर 20 जनवरी तक अलग-अलग तारीखों पर हड़ताल पर जाएंगे.

4 दिसंबर – पीएनबी, एसबीआई और पंजाब एंड सिंध बैंक
5 दिसंबर- बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया
6 दिसंबर- केनरा बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
7 दिसंबर- इंडियन बैंक और यूको बैंक
8 दिसंबर- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ महाराष्ट्र
11 दिसंबर- प्राइवेट बैंकों की हड़ताल

ऑनलाइन बैंकिंग जारी रहेगी

दिसंबर में बैंकों का जैसा कैलेंडर दिख रहा है, उसके हिसाब से काफी दिन बैंक का काम प्रभावित रहेगा.लेकिन अच्छी खबर है कि इस दौरान ऑनलाइन बैंकिंग की सारी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी. आप मोबाइल बैंकिंग के जरिए अपने अधिकतर काम निपटा सकेंगे.लेकिन अगर आपको डॉक्यूमेंटेशन का कोई काम है तो आपको छुट्टियों की लिस्ट देखकर अपनी प्लानिंग कर लेनी है, ताकि आप सही टाइम पर अपना काम निपटा लें.

उत्तराखंड : एसबीआई में 5 हजार से ज्यादा पदों पर निकली भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 05 दिसंबर : बैंकिंग सेक्टर में करियर बनाने की चाह रखने वाले युवाओं के लिए एक काम की खबर है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सर्किल बेस ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकाली है। जो भी युवा ग्रेजुएशन पास कर चुके हैं, वो भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। भर्ती के माध्यम से कुल 5 हजार 280 पद भरे जाएंगे। अभ्यर्थी का ग्रेजुएट होना जरूरी है, साथ ही उम्र 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट या इंटीग्रेटेड डिग्री कर चुके अभ्यर्थी इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन की आखिरी तारीख 12 दिसंबर तक है। एसबीआई में हो रही भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन टेस्ट देना होगा। इसकी मेरिट के आधार पर इंटरव्यू की लिस्ट तैयार होगी। एसबीआई की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक सेलेक्ट होने वालों को 36000 रुपये प्रतिमाह सैलरी के तौर

पर मिलेंगे। अभ्यर्थी की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट मिलेगी।

12 दिसंबर तक अप्लाई करने के बाद अभ्यर्थियों को जनवरी तक कॉल लेटर जारी होगा। इसके बाद परीक्षा की डेट घोषित होगी। आवेदन करने से पहले अभ्यर्थियों को SBI की वेबसाइट sbi.co.in पर दी गई पूरी जानकारी देखनी चाहिए। अभ्यर्थी https://bank.sbi/web/careers/current-openings or https://www.sbi.co.in/web/careers/current-openings पर क्लिक करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

देहरादून : डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 दिसंबर : जनसुनवाई में 108 शिकायत प्रात हुई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास दिलाने, रास्ता बंद किए जाने, अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने, खतौनी में नाम संशोधन करवाने,आर्थिक सहायता दिलाने, सड़क से अतिक्रमण हटाने, आपसी विवाद, कब्रिस्तान हेतु भूमि दिलाने, शिक्षा, नगरनिगम, एमडीडीए से संबन्धित शिकायत प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनुवाई में प्राप्त शिकायकतों का समय से निस्तारण करें तथा जिन शिकायतों पर जांच समय लग रहा है के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता सूचित करें।

जनसुनवाई में अजीतनगर विकासनगर निवासी एक महिला जो वर्तमान में भोपाल मध्यप्रदेश में रहतीं हैं के पिता की मृत्यु उपरान्त अन्यों द्वारा उनके अंश की भूमि को फर्जी/कूटरचित अभिलेखो से अन्य के नाम चढ़ाने

की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देशों पर कार्यवाही होने पर शिकायतकर्ता महिला ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में सोड़ा सरोली निवासी एक व्यक्ति द्वारा पंचायत की भूमि खुर्दबुर्द किए जाने तथा पटवारी की मिलीभगत की शिकायत की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को कार्यवाही के निर्देश दिए। शिकायतकर्ताओं द्वारा शिकायत की गई की शीशमबाड़ा एवं भानियावाला में भूमि अधिग्रहण उपरांत मुआवजा नहीं मिला, जिस पर जिलाधिकारी ने विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को निर्देश दिए।

इसी प्रकार मारपीट परिजनों द्वारा मारपीट की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक क्राइम को कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण शर्मा, अपर नगर आयुक्त नगर निगम बीर सिंह बुदियाल, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, उप जिलाधिकारी शालिनी नेगी, उप जिलाधिकारी सदर दीपक कुमार, पुलिस अधीक्षक क्राइम मिथिलेश कुमार, उप जिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

19 वीं प्रादेशिक अन्तर्जनपदीय/वाहिनी राइफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-2023 का हुआ विधिवत समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीनगर, 05 दिसंबर : एस.एस.बी के केदार फायरिंग रेंज में 19 वीं प्रादेशिक अन्तर्जनपदीय/वाहिनी राइफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-2023 का मुख्य अतिथि श्रीमान उपमहानिरीक्षक, पी0ए0सी/सचिव उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्टस कन्ट्रोल बोर्ड, श्री जनमेजय खंडूरी महोदय व *श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरूष्कृत कर प्रतियोगिता का विधिवत समापन किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड पुलिस की विभिन्न जनपदों/वाहिनियों की कुल 16 टीमों के 180 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया प्रतियोगिता में रिवाल्वर/पिस्टल शूटिंग के 04 इवेंट (15 गज, 25 गज, 30 गज व 50 गज) एवं राइफल शूटिंग में 04 इवेंट (100 गज, 200 गज, 300 गज व 300 गज स्नैप शूटिंग) आयोजित किये गये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा फायरिंग बट एवं अन्य आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए उपमहानिरीक्षक एस0एस0बी महोदय व एस0एस0 बी के अन्य स्टाफ का आभार प्रकट किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में सभी टीम मेनेजरों, निर्णायक मण्डल, सभी प्रतिभागियों एवं प्रतियोगिता के सफल आयोजन में लगे समस्त पुलिस कार्मिकों को बधाई देकर हार्दिक आभार प्रकट किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागितों द्वारा उच्चकोटि का अनुशासन बनाये रखा व प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों द्वारा अच्छी खेल भावना से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया जिसकी महोदया द्वारा सराहना की गयी। इसके अतरिक्त समापन समारोह में आये श्रीनगर के स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों एवं पत्रकार बन्धूओं का भी धन्यवाद करते हुये इस प्रतियोगिता में आये प्रतिभागी टीमों को ठहरने की व्यवस्था का सहयोग करने वाले सम्मानित होटल एसोसिएशन के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। श्रीमान उपमहानिरीक्षक, पी0ए0सी/सचिव उत्तराखण्ड पुलिस स्पोर्टस कन्ट्रोल बोर्ड, श्री जनमेजय खंडूरी महोदय द्वारा निम्न विजेता टीम प्रतिभागियों व निर्णायक मण्डल की टीम को हार्दिक बधाई देकर पुरुष्कृत किया गया।

■ प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर विजेताओं को श्रीमान उपमहानिरीक्षक पी0ए0सी, श्री जनमेजय खंडूरी व आयोजन सचिव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा किया गया पुरुष्कृत

विजेता प्रतिभागियों का विवरण

(राइफल शूटिंग प्रतियोगिता-2023)

(1)-100 गज प्रथम- आरक्षी उधीर कुमार-आईआरबी 1st द्वितीय- निरीक्षक नीरज कुमार-आईआरबी 1stतृतीय- आरक्षी अंकित कुमार-आईआरबी 2nd

(2)-200 गज प्रथम- हे0का0 नारायण जोशी-31 पीएसी द्वितीय- आरक्षी कमल परिहार-46 पीएसी तृतीय- अपर उपनिरीक्षक पीताम्बर दत्त- जनपद पिथोरागढ़

(3)-300 गजप्रथम- आरक्षी योगेश-46 पीएसीद्वितीय- आरक्षी राजीव- आईआरबी 2ndतृतीय- निरीक्षक सन्दीप नेगी-एटीसी

(4)-300 गज स्नैप राइफल शूटिंग प्रतियोगिताप्रथम- आरक्षी महेनद्र- 46 पीएसीद्वितीय- आरक्षी राजीव- आईआरबी 2nd तृतीय- आरक्षी पुनीत तौमर-आईआरबी 1st

विजेता प्रतिभागियों का विवरण (पिस्टल/रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता-2022)

(1)-15 गज प्रथम- मुख्य आरक्षी महिपाल सिंह-31 पीएसीद्वितीय- मुख्य आरक्षी सरद सिंह-40 पीएसीतृतीय- आरक्षी उधीर कुमार-आईआरबी 1st

(2)-25 गज प्रथम- मुख्य आरक्षी महिपाल सिंह-31 पीएसीद्वितीय- अपर उपनिरीक्षक आनन्द सिंह- जनपद पौड़ीतृतीय- आरक्षी राजीव-आईआरबी द्वितीय

(3)- 30 गज प्रथम- आरक्षी जितेन्द्र-आईआरबी 2nd द्वितीय-आरक्षी उधीर क़ुमार-आईआरबी 1stतृतीय- मुख्य आरक्षी महिपाल-31 पीएसी

(4)-50 गज प्रथम-मुख्य आरक्षी नरेन्द्र रावत-आईआरबी 1stद्वितीय- मुख्य आरक्षी महिपाल सिंह-31 पीएसीतृतीय- आरक्षी गोपाल सिंह-31 पीएसी

ओवर ऑल राइफल शूटिंग प्रतियोगिता-

प्रथम- आईआरबी 1st द्वितीय- आईआरबी 2nd

ओवर ऑल रिवाल्वर/पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता-

प्रथम- 31 पीएसीद्वितीय- आईआरबी 1st

बेस्ट फायरर- मुख्य आरक्षी महिपाल सिंह-31 पीएसी

निर्णायक मण्डल टीम

1. पुलिस उपाधीक्षक टिहरी श्री सुरेन्द्र प्रसाद बलूनी 2. प्रतिसार निरीक्षक रुद्रप्रयाग श्री गणेश लाल 3. दलनायक 31 पीएसी श्री शुक्रुलाल कन्याल 4. अ प र गुल्मनायक 31 पीएसी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत 5. आरक्षी 112 ना0पु0 बद्री प्रसाद, पौड़ी गढ़वाल 6. आरक्षी 81 स0पु0 हृदय भूषण, पौड़ी गढ़वाल7. आरक्षी 60 स0पु0 जयेन्द्र सिंह, पौड़ी गढ़वाल

उत्तराखंड में ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वाले सावधान , कटेगा महंगा चालान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 दिसंबर : ट्रैफिक रूल्स हमारी सुरक्षा के लिए हैं, लेकिन लोग आज भी इनका पालन करने से बचते हैं। उत्तराखंड में ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वालों को सबक सिखाने के लिए ऑनलाइन चालान काटे जा रहे हैं। इंटरसेप्टर, स्पीड रडार गन और एएनपीआर कैमरों की मदद से करीब 25 फीसदी चालान किए जा रहे हैं। चालान का मैसेज गाड़ी मालिक के मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है, लेकिन अब ऑनलाइन चालान के बाद वाहन स्वामी को नोटिस भी भेजा जाएगा।

नोटिस डाक के माध्यम से वाहन स्वामी के घर के पते पर भेजा जाएगा। प्रदेश में ओवर स्पीड, बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वालों और ट्रिपल राइडिंग करने वालों के चालान हो रहे हैं। चालान का मैसेज गाड़ी मालिक के मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है, लेकिन कई वाहन स्वामियों के नंबर अपडेट नहीं हैं, इसलिए अब चालान के बाद वाहन स्वामी के घर के पते पर नोटिस भी भेजा जाएगा। ये जानकारी आरटीओ प्रवर्तन शैलेश तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन चालान के साथ वाहन स्वामी के घर पर डाक के जरिए भी नोटिस भेजा जाएगा। जब तक चालान का भुगतान नहीं किया जाएगा, तब वाहन काली सूची में रहेगा।

इस दौरान वाहन का टैक्स जमा करने समेत अन्य काम नहीं हो पाएंगे। किसी को वाहन बेचा भी नहीं जा सकता है। हर महीने 25 फीसदी चालान इंटरसेप्टर, स्पीड रडार गन और एएनपीआर कैमरों की मदद से हो रहे हैं, लेकिन जिन लोगों के नंबर बंद हो गए हैं, या जिन्होंने नया नंबर अपडेट कराया है, उन्हें चालान नहीं मिल रहे। इसलिए अब ऑनलाइन चालान के बाद वाहन स्वामी के घर के पते पर नोटिस भी भेजा जाएगा।

पत्नी चुराने का उत्सव जहाँ मर्द चुराते हैं दूसरों की बीवियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , दुनिया में हजारों जनजातियां और हजारों-लाखों तरह के समाज हैं, जहां की अलग अलग रीतियां हैं और उनके अलग अलग रिवाज हैं। इनमें से कई ऐसे रिवाज हैं, जो हमें चौंका देते हैं। ऐसे ही एक रिवाज के बारे में आज हम बात करने वाले हैं, जहां मर्द सज-संवरकर आते हैं, और दूसरे लोगों की पत्नियों की चोरी कर लेते हैं।

कहां मनाया जाता है ये उत्सव?

सहारा रेगिस्तान के किनारे पर, खानाबदोश जनजातियों का एक समूह हर साल ₹पत्नी-चोरी₹ का उत्सव मनाता है और इस त्योहार को धूमधाम से मनाया जाता है, जहां सैकड़ों की तादाद में मर्द मेकअप करके जमा होते हैं और एक दूसरे की पत्नियों की चोरी करते हैं।मिज़ोरम त्योहार के शुरू होने से पहले मर्द काफी सजते हैं, संवरते हैं, अपने चेहरे पर रंग-बिरंगे रंग लगाते हैं, ताकि वो महिलाओं को आकर्षित कर सकें और एक बार जब कोई पुरुष, किसी महिला को आकर्षित करने में कामयाब हो जाता है, तो फिर वो उस महिला उस मर्द के साथ भागने के लिए तैयार हो जाती है।

पत्नियों की चोरी का ये त्योहार सहारा रेगिस्तान के किनारे वाले शहर, जैसे नाइजर, कैनरून और नाइजीरिया के वोडाबे जनजाति के लोग मनाते हैं और इस त्योहार की सबसे पहली शर्त ये होती है, कि कोई भी मर्द, किसी महिला को भागने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। मर्द का काम, किसी महिला को अपनी तरफ रिझाना तक सीमित होता है और उस मर्द के साथ जाने का फैसला, सिर्फ उस महिला को करना होता है।

एक बार जो महिला, किसी मर्द के साथ भाग जाती है, तो वो एक रात के लिए संबंध स्थापित कर सकते हैं। उत्तरी कैमरून के सुरम्य गुएरेवोल उत्सव की शुरुआत में, संभावित साथी को आकर्षित करने के लिए सज-धजकर पुरुष नृत्य करते हैं। इस दौरान जब कोई महिला, किसी पुरुष को लेकर आकर्षित हो जाती है, तो जंगल

में उस मर्द के साथ एक रात बिताने के लिए, या फिर अपने पसंदीदा साथी को चुनने के लिए, उस महिला को बस अपने साथी के कंधे को छूना होता है और फिर दोनों जंगल की तरफ निकल जाते हैं। इस दौरान महिला को अधिकार होता है, कि वो अपने पुरुष साथी के साथ सिर्फ एक रात का रिश्ता कायम रखती है, या फिर वो उस पुरुष के साथ लंबे रिश्ते में बंधना चाहती है। इस उत्सव में कुंवारी लड़कियां भी शामिल होती हैं, जिनके पास ही अपने साथी को चुनने का अधिकार होता है। वो लड़की इस दौरान तय कर सकती है, कि क्या वो अपने एक रात के पार्टनर के साथ जीवन गुजारना चाहती है या नहीं।

किस तरह से होता है उत्सव?

युट्यूबर ज़ैन पार्कर ने अपने ब्लॉग में कहा, कि ₹कुछ लोग कहते हैं, कि यह समारोह एक प्रकार की सौंदर्य प्रतियोगिता है। पुरुष श्रृंगार और अपने सजावटी कपड़े पहनते हैं और अपनी ताकत दिखाने के लिए कुछ खास नृत्य मुद्राएं पेश करते हैं, यह सब एक महिला द्वारा चुने जाने की आशा के लिए होता है।₹ उन्होंने आगे कहा, कि ₹यह एक ऐसी स्थिति है, जहां महिला को उस पुरुष को चुनना होता है, जिसके साथ वे रात बिताना चाहती हैं या उसे अपना पति बनाना चाहती हैं।₹ हालांकि, इस दौरान अकसर ऐसा भी होता है, कि जब कोई लड़की अपने पति को चुनने लगती है, तो शायद उसके पिता को वो लड़का पसंद ना हो, लेकिन उत्सव में वो बेबस होता है। लेकिन, इस दौरान अगर कोई मर्द, आक्रामक है, या हथियार लहरा रहा है, तो फिर उसे उत्सव से बाहर कर दिया जाता है।

ऑल वेदर रोड पर तैयार हो रहा है उत्तराखंड का पहला सिग्नेचर ब्रिज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 05 दिसंबर : उत्तराखंड का पहला सिग्नेचर ब्रिज रुद्रप्रयाग में बन रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नरकोटा गदेरे पर घुमावदार मोटर पुल बनाया जा रहा है। ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत बन रहे इस पुल पर 64 करोड़ की लागत आएगी। 110 मीटर लंबे पुल का निर्माण जोरों पर है। सिग्नेचर पुल की बनावट इसे आकर्षक रूप देगी। 110 मीटर स्पान के इस पुल का निर्माण बीते 11 माह से चल रहा है। जिसके दोनों पिलर का कार्य अंतिम चरण में है।

रात के वक्त पुल रोशनी से जगमगाएगा। इसकी सुरक्षा के लिए दोनों तरफ के साथ ऊपर की तरफ से भी सुरक्षा केबल रहेगी। बता दें कि पुल का निर्माण जनवरी 2023 से शुरू हुआ, लेकिन इससे पहले

पुल को लेकर कुछ विवाद भी शुरू हो गए थे। रुद्रप्रयाग शहर की तरफ वाले पिलर का काम शुरू हो गया था, लेकिन श्रीनगर वाली साइड में भूमि विवाद के चलते दो-दो बार पिलर के डिजाइन को बदलना पड़ा। शटरिंग ढहने से 20 जुलाई 2022 को दो मजदूरों की मौत भी हो गई थी। जिसके बाद मिट्टी की जांच कर डिजायन बदला गया। अब पुल निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत से मई 2024 तक पुल से वाहनों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है।

हैरत भरे नियम कानूनों की जानकारी चकित कर देंगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , लोगों के लिए सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर देश के अपने कानून होते हैं। हर किसी को उनका पालन करना होता है। पर क्या आप जानते हैं कि कुछ देशों में काफी अजीबो-गरीब कानून भी हैं और लोग वर्षों से उनका पालन भी करते आए हैं। कहीं घूमने-टहलने को लेकर कानून हैं तो कहीं कसम खाने को लेकर। कुछ देशों में जम्हाई लेने और सोने को लेकर सख्त कानून हैं तो कहीं बिकनी पहनने को लेकर। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ हैरत भरे नियम कानूनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनमें से कुछ तो आपको चकित कर देंगी।

नहीं खा सकते किसी की कसम

यूनाइटेड अरब एमिरेट्स (यूएई) अपने कानूनों के लेकर काफी सख्त देशों में से एक माना जाता है। पर यहां भी कुछ बहुत ही अजीबो-गरीब से कानून हैं। ऐसा ही एक कानून है-कसम खाने को लेकर, यहां किसी व्यक्ति की अगर कसम खाते आपको पकड़ लिया गया तो इसके कारण जेल तक की भी सजा हो सकती है। दरअसल किसी की कसम खाने को यहां शख्स की इज्जत घटाने से जोड़कर देखा जाता है।

बीच पर पहनावे को लेकर कानून -

बीच पर आपने लोगों को बिकनी पहने हुए जरूर देखा होगा, लेकिन बार्सिलोना में इसको लेकर भी कुछ अलग से नियम कानून हैं। यहां के नियमों के अनुसार यहां बीचेस पर तो बिकनी पहन सकते हैं, पर अगर शहर के किसी अन्य हिस्से में आपको किसी ने बिकनी में देख लिया तो ये उस व्यक्ति को मुसीबतों में भी डाल सकत है। इसके एवज में उससे मोटी फाइन ली जा सकती है।

कुत्तों को घुमाने का कानून

अगर आपने कुत्ते पालते हैं तो ये निश्चित ही आपका व्यक्तिगत चयन है लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुत्तों को पालने और उसे घुमाने को लेकर इटली में कुछ खास कानून हैं। यहां के शहर तुरीन में अगर आपने कुत्ते पाले हैं तो उसे दिन में तीन बार घुमाना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया तो इससे आपको जेल भी हो सकती है।

किसी भी देश में व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए कानून की ज़रूरत होती है. हालांकि, कई देशों में कुछ कानून ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में सुनकर आप हैरान रह जाते हैं. आज हम आपको टॉयलेट से जुड़े कुछ ऐसे अजीबोगरीब कानून के बारे में बताएंगे, जिन्हें सुनने के बाद आप सोच में पड़ जाएंगे कि अगर यह भारत में लागू हो गए तो यहां लोगों का क्या होगा. वैसे सही मायनों में कहें तो यह कानून अगर भारत में लागू हो जाए, तो कई लोग या

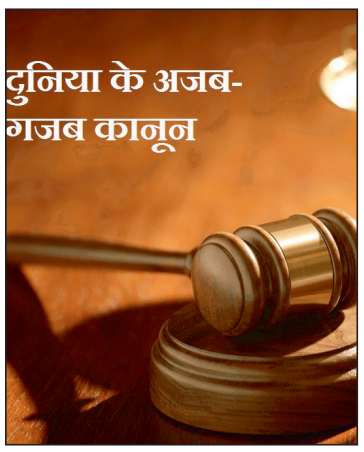

जुर्माना देते फिरेंगे या फिर जेल की हवा खा रहे होंगे.

फ्लश नहीं किया तो जाओगे जेल

सिंगापुर एक ऐसा देश है जो अपने साफ सफाई के लिए जाना जाता है. वहां की सड़कों से लेकर पब्लिक टॉयलेट तक हर जगह साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जाता है. इस देश में कानून है कि आपने अगर टॉयलेट इस्तेमाल किया और इस्तेमाल के बाद फ्लश नहीं किया तो आपके ऊपर जुर्माना भी लग सकता है और आपको जेल भी हो सकती है. सोचिए अगर भारत में ऐसा हो जाए तो कितने लोग जेल की हवा खाएंगे, क्योंकि यहां पब्लिक टॉयलेट की स्थिति ऐसी होती है कि आप उसका इस्तेमाल तो छोड़िए उसमें खड़े भी नहीं हो सकते हैं. आपको बता दें, सिंगापुर में टॉयलेट यूज करने के बाद फ्लश ना करने पर आपके ऊपर करीब 150 डॉलर का जुर्माना हो सकता है.

स्विट्जरलैंड में क्या है कानून

स्विट्जरलैंड में तो टॉयलेट को लेकर सबसे अजीब कानून है. इस देश में कानून है कि अगर आपने रात में 10 बजे के बाद फ्लश का इस्तेमाल किया तो इसे पूरी तरह से गैरकानूनी माना जाएगा. ऐसा इसलिए क्योंकि स्विट्जरलैंड में ध्वनि प्रदूषण को लेकर लोग ज्यादा गंभीर हैं और रात के 10 बजे के बाद लोग यहां फ्लश का भी साउंड नहीं सुन सकते हैं. सोचिए भारत जैसे देश में जहां लोग रात भर डीजे बजा कर कार्यक्रम करते हैं, अगर यहां इस तरह का कानून बन जाए तो कितने लोग जेल की हवा खाएंगे.

उत्तर कोरिया में तानाशाही

आखिर लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, उत्तर कोरिया अपने नियमों कायदों के लिए हमेशा से चर्चा में रहता है। यहां मीटिंग को लेकर जो कानून हैं उसके मुताबिक अगर किम जोंग के साथ कोई मीटिंग चल रही और इस दौरान किसी को जम्हाई आ जाती है तो उसको मौत तक की भी सजा दी जा सकती है।

मरने से पहले शरीर में होने लगता है ये बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , इंसान ने विज्ञान की मदद से मृत्यु के रहस्य को सुलझाने की बहुत कोशिश की. लेकिन आज तक वह इस खोज में नाकाम रहा, लेकिन इस दौरान उसे कुछ ऐसे लक्षणों के बारे में जरूर पता चला जो मौत से ठीक पहले इंसानी शरीर में दिखने लगते हैं.हम जिन लक्षणों की बात कर रहे हैं, उसके बारे में एक डॉक्टर ने द एक्सप्रेस को दिए अपने इंटरव्यू में बताया था. उनका कहना था कि उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत से लोगों को मरते देखा है, इसलिए उन्हें पता है कि मरने से ठीक पहले इंसानों के शरीर में किस तरह के बदलाव होते हैं.

एक्सपर्ट का कहना था कि मृत्यु के लक्षण इंसानों में दो हफ्ते पहले से दिखने लग जाते हैं. दरअसल, 2 हफ्ते में व्यक्ति की सेहत गिरने लगती है. उसे चलने और सोने में भी परेशानी होने लगती है. जिंदगी के आखिरी दिनों में, व्यक्ति दवाई खाने, भोजन करने और पानी पीने की क्षमता खत्म हो जाती है.कुछ रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, मौत के वक्त दिमाग से ढेर सारे केमिकल निकलते है. इन्हीं केमिकल मे से

एक है एंडोर्फिन. यह केमिकल व्यक्ति की भावनाओं को बढ़ा देता है.

एक रिसर्च के मुताबिक, जैसे-जैसे व्यक्ति मौत के करीब आता है, वैसे-वैसे उसके शरीर मे स्ट्रेस केमिकल्स बढ़ने लगते हैं. यही वजह है कि मौत से कुछ दिनों पहले तक आपको इंसान में एक अजीब सी घबराहट दिखती है.वहीं जिनकी मौत कैंसर से होने वाली होती है ऐसे व्यक्ति की बॉडी में सूजन आने लगती है. जबकि, मौत की प्रक्रिया के वक्त व्यक्ति का दर्द कम हो जाता है. एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शायद इसका कारण एंडोर्फिन हो सकता है.

एसएसपी नैनीताल ने नैनीताल शहर की यातायात व्यवस्था को दुरस्त करने के लिए किया बैठक का आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 05 दिसंबर : प्रहलाद नारायण मीणा एसएसपी नैनीताल द्वारा नैनीताल शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं जाम की समस्या का निराकरण करने के लिए पुलिस लाइन नैनीताल स्थित सभागार में नैनीताल पुलिस/प्रशासन के अधिकारियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, टैक्सी/बाइक यूनियन, होटल एसोसिएशन स्कूल एसोसिएशन के सदस्यों के साथ संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान निम्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

▪सभी उपस्थित अधिकारियों/गणमान्य व्यक्तियों से शहर की यातायात व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा कर उत्पन्न हो रहीं समस्याओं को जाना गया एवम् समाधान हेतु आवश्यक सुझाव लिए गए ।▪ पर्यटको व स्थानीय व्यक्तियो से अपने वाहनों को नो पार्किंग जोन में पार्क न करने की अपील की गई।▪शहर में स्थित मार्गों में पुलिस द्वारा संचालित की जा रही वन वे और टू वे व्यवस्था का सभी पालन करेंगे। ▪स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारियों को बताया गया कि सभी स्कूल वाहनों का फिटनेस अनिवार्य है। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाए।▪स्कूल टाइम में वाहनों से लग रहे जाम से निजात दिलाने के लिए स्कूल वैन, बच्चों को स्कूल के प्रांगण में ही उतारें। ▪ होटल एसोसिएशन से वार्ता कर यह बताया गया कि सभी होटल स्वामी अपने होटल की पार्किंग में हीवाहन पार्क कराएं। पार्किंग की उपलब्धता न होने पर प्रशासन द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थलों में ही पर्यटकों के वाहन पार्क करवाएं।▪व्यापार मंडल के पदाधिकारीयो से वार्ता कर यह सुनिश्चित किया गया कि दुकानों हेतु आवश्यक सामग्री/माल वाहन को सुबह 9:00 बजे से पूर्व ही अनलोड करवा लें।▪ टैक्सी और बाइक यूनियन को बताया गया कि अपने वाहनों को निर्धारित स्थलों में ही पार्क करें। शहर में आवागमन के दौरान गति पर नियंत्रण रखें और ट्रैफिक नियमो का पालन करें।▪ स्थानीय जनता से अपील की गई कि नैनीताल शहर में यातायात नियमों का पालन करें और सब मिलकर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नैनीताल पुलिस का सहयोग करें।

उत्तराखंड : 6 जिलों में होगी झमाझम बारिश और बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 05 दिसंबर : उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने 8 दिसंबर तक के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर जनपदों में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है। 4 दिसंबर को कुमाऊं मंडल के 3000 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हो सकती है। चार और 5 दिसंबर को राज्य के उधमसिंह नगर और हरिद्वार जनपदों के कुछ भागों में सुबह के समय कोहरा छाने की संभावना जताई गई है। इस बीच अन्य जनपदों में मौसम शुष्क रह सकता है। मौसम विभाग ने तात्कालिक मौसम पूर्वानुमान जारी करते हुए चमोली, बागेश्वर तथा पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं गर्जन वाले बादल विकसित होने की बात कही है। यहां बहुत हल्की वर्षा और बर्फबारी होने की भी संभावना है। ऊधमसिंहनगर, चंपावत तथा नैनीताल जनपदों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।उधर, चमोली जिले के नीती घाटी में और उत्तरकाशी

जिले के यमुनोत्री में बर्फबारी से तापमान में गिरावट आ गई है। यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बर्फबारी के बाद यहां बेहद खूबसूरत नजारा दिखाई दिया। घाटी बर्फ से ढक गई है। यमुनोत्री धाम सहित आसपास के क्षेत्रों में बर्फबारी हुई जबकि बड़कोट तहसील क्षेत्र में बारिश का मौसम बना हुआ है। बदरीनाथ धाम में कड़ाके की ठंड के बावजूद महायोजना मास्टर प्लान के कार्य तेजी से चल रहे हैं। शाम होते ही धाम में ठंडी हवा चलनी शुरू हो जाती हैं, यहां रात को पारा माइनस में पहुंच रहा है।

संपादकीय

जातीय गणना को जनादेश नहीं

जातीय गणना का मुद्दा, राज्यों के चुनाव में, फ्लॉप रहा। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अनुसरण करते हुए जातीय गणना का मुद्दा खूब उछाला गया। यहां तक वायदा किया गया कि 2024 में केंद्र में विपक्ष की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय गणना कराई जाएगी। इस पर आरक्षित जमात के युवाओं ने भी कांग्रेस को समर्थन नहीं दिया। हालांकि विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में जातीय गणना को 'तुरुप के पत्ते' के तौर पर ग्रहण किया गया था, लेकिन बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य में जातिगत सर्वे नहीं कराए गए। कांग्रेस ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में इस मुद्दे पर खूब शोर मचाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नकली ओबीसी' करार दिया था, लेकिन चुनावों ने साबित कर दिया कि जनादेश महज जाति के आधार पर हासिल नहीं किए जा सकते। प्रधानमंत्री ने भी जनादेश के बाद विपक्ष पर आरोप चस्पा किया कि मतदाताओं को जातियों में बांटने की कोशिशें की गईं। उन्हें लाभ के झांसे दिए गए, लेकिन उन जातियों ने ही कांग्रेस को खारिज कर दिया, जिन्हें पार्टी का 'परंपरागत जनाधार' माना जाता रहा है। इनमें आदिवासी, दलित, ओबीसी और मजदूर वर्ग आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन समुदायों ने भाजपा के पक्ष में भर-भर कर वोट दिए। जनादेश सामने हैं। जातियों की बात होती है, तो पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का चेहरा सामने आ जाता है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री-काल में मंडल आयोग की रपट लागू की थी, जिसके तहत हजारों पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिलना तय हुआ था। यह आरक्षण आज भी जारी है। तब वीपी सिंह को 'सामाजिक न्याय का मसीहा' माना गया। आज भी तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने वीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने उसका अनावरण किया था और अपने राज्य में 'सामाजिक न्याय' की राजनीति को आधार देने की कोशिश की है, लेकिन 'मसीहा प्रधानमंत्री' का 1991 के लोकसभा चुनाव में सूपड़ा ही साफ हो गया। पिछड़ों ने लालू, नीतीश और मुलायम सरीखों की तो सियासत चमका दी, लेकिन वीपी सिंह को राष्ट्रीय जन-समर्थन क्यों नहीं मिला, यह सवाल आज भी अनुत्तरित है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों ने 'जातीय सर्वे' को महत्त्व क्यों नहीं दिया? परोक्ष रूप से खारिज ही क्यों करते रहे? क्या राहुल गांधी के दौर की कांग्रेस की सोच, 'जातीय राजनीति' पर, अपने पूर्वजों से भिन्न है? उन्हें चुनावी समर्थन क्यों नहीं मिला? ये भारतीय राजनीति के अहम सवाल हैं। उत्तर भारत में हिमाचल को छोड़ कर सभी प्रमुख राज्यों में अब भाजपा काबिज है। बिहार और झारखंड कुछ दूर के राज्य हैं, लेकिन वहां भी सत्ता-विरोधी लहर प्रबल है। इसका प्रत्यक्ष लाभ भाजपा को 2024 के आम चुनाव में होगा, क्योंकि वे भी 3-4 महीने ही दूर हैं। विपक्षी गठबंधन के घटक दल भी, मौजूदा जनादेश पर, कांग्रेस को लेकर ही टिप्पणियां करने लगे हैं कि कांग्रेस 'जमीनी राजनीतिक हकीकत' को पढ़ नहीं पा रही है। इस तरह 2024 के आम चुनाव में भाजपा को कैसे पराजित किया जा सकता है?

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अब आंटी नहीं कहेगी This Call Is Now बीइंग रिकार्डेड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , क्या आप जानते हैं आज भी कई देशों में कॉल रिकॉर्ड करना गैर-कानूनी है, लेकिन बावजूद इसके कई पुराने फोन्स हैं, जो कॉल रिकॉर्ड फीचर को सपोर्ट करते हैं, वहीं कुछ नए स्मार्टफोन्स में भी ये सुविधा मिलती है। फोन में इस इनबिल्ट कॉल रिकॉर्डिंग फीचर के जरिए आप सामने वाले की कॉल को रिकॉर्ड कर सकता हैं। हालांकि, गूगल प्राइवेसी को बढ़ाने के लिए इसका भी एक समाधान लेकर आया है। जिससे अब इस बात का पता लगाया जा सकता है कि क्या कोई आपकी कॉल को रिकॉर्ड कर रहा है, लेकिन कुछ को ये फीचर परेशान भी कर सकता है।

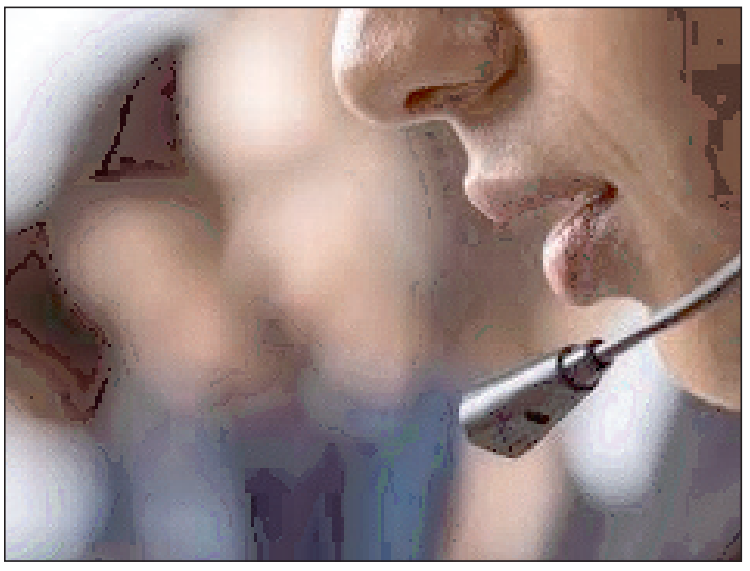

कई बार हम नहीं चाहते कि सामने वाले को पता चले की उसकी कॉल को रॉर्ड किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज हम आपके लिए फोन की एक ऐसी सेटिंग लेकर आये हैं, जिसके बाद कोई भी पता नहीं कर पाएगा कि उसकी कॉल रिकॉर्ड हो रही है या नहीं। आइये स्टेप बाय स्टेप जानते हैं कि कैसे आप This Call is Now Being Recorded साउंड को म्यूट कर सकते हैं।

This Call is Now Being Recorded साउंड कैसे बंद करें?

इसके लिए सबसे पहले अपने फोन का डायलर ओपन करें।यहां से टॉप राइट साइड में थ्री डॉट पर क्लिक करें।इसके बाद डायलर की सेटिंग में जाएं।आपको यहां कॉल रिकॉर्डिंग ऑप्शन दिखेगा, इस पर क्लिक करें।इसके बाद थोड़ा स्क्रॉल करने पर प्ले ऑडियो टोन इंस्टेड ऑफ डिस्क्लेमर ऑप्शन दिखेगा।आपको सिर्फ इस एक ऑप्शन को ऑन करना है।

इसके बाद जब भी आप किसी का कॉल रिकॉर्ड करेंगे तो, वो आंटी आपके फोन से गायब हो जाएगी जो हर बार कहती थी This Call is Now बीइंग रिकार्डेड। यह सेटिंग उन लोगों के लिए काफी यूजफुल होगी जो नहीं चाहते कि किसी को पता चले की उसकी कॉल रिकॉर्ड हो रही है।

अफसर बनना है तो पढ़ लें इस IFS अधिकारी के कामयाब टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , यूपीएससी की तैयारी करना लाखों उम्मीदवारों के लिए एक बड़ी चुनौती है और उन लाखों में से सिर्फ कुछ ही लोग अपने गोल को अचीव कर पाते हैं. घंटों पढ़ाई करना, कोचिंग लेना और अलग-अलग तरीके अपनाना आम बात है. इन सबके बीच, हाल ही में एक भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी ने परीक्षा की तैयारी में मदद करने के लिए कुछ खास टिप्स दिए हैं. ये टिप्स किसी जादू की छड़ी की तरह नहीं हैं, लेकिन सही रास्ते पर चलने और सफलता की संभावना बढ़ाने के लिए जरूर मददगार साबित हो सकती हैं. उन्होंने अपना पूरा शेड्यूल बताया कि आखिर कैसे तैयारी की जाती है और कैसे सफलता पाई जा सकती है. तो चलिए उन टिप्स पर नजर डालते हैं.

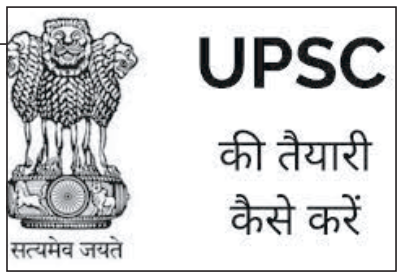

जॉब के साथ-साथ कैसे हो सकती है UPSC की तैयारी

अपनी टिप्स को शेयर करने के लिए भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी हिमांशु त्यागी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर गए और अपनी तैयारी के बारे में सबकुछ शेयर किया. उन्होंने एक्स अकाउंट पर लिखा, ₹मेरी यूपीएससी तैयारी और फुल-टाइम जॉब की कहानियों से गोल्डन टिप्स.₹ उन्होंने अपने पोस्ट में एक-दो नहीं बल्कि पांच-पांच टिप्स दिये. उन्होंने बताया कि वह कैसे सुबह-सुबह साढ़े तीन बजे उठते थे और चार घंटे पढ़ाई करते थे और शाम को ऑफिस के बाद भी वह कुछ घंटे पढ़ाई करते थे. अपने वर्कप्लेस पर ट्रेवलिंग करते समय भी स्टडी वीडियो देखते थे.

अधिकारी ने बता दिया अपना पूरा का पूरा शेड्यूल

इतना ही नहीं, आईएफएस अधिकारी ने अपने मोबाइल और पर्सनल कंप्यूटर पर स्टडी मैटेरियल भी रखी ताकि उन्हें मिलने वाले हर छोटे ब्रेक में रिवीजन किया जा सके. इस ट्वीट के आखिर में उन्होंने यह भी कहा कि वीकेंड में मैं कहीं भी घूमने नहीं जाता था, बल्कि वह अपनी एजुकेशन के लिए 10 घंटे समय देता था. अपने पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति एक से दो साल तक इस रूटीन को अच्छे से फॉलो कर ले, तो उन्हें अपनी तैयारी पर विश्वास हो जाएगा. इस पोस्ट को उन्होंने 2 दिसंबर को शेयर किया था और यह कुछ घंटों में वायरल हो गया.

मुख्यमंत्री धामी ने किया एक दिवसीय जनपद भ्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 05 दिसंबर : प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान हर की पैड़ी पर गंगा आरती में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होने भारत की प्राचीन व पौराणिक शक्ति पीठो से सीधा सम्बन्ध रखने वाले सतीकुण्ड को शीध्र ही विश्व स्तरीय संरचना देकर भव्य स्वरुप में विकसित किये जाने, हर की पैड़ी में गंगा आरती के दौरान लाईट, साउंड व लेजर शो के माध्यम से गंगा के अवतरण का तीर्थ यात्रियों के बीच प्रदर्शन की व्यवस्था किये जाने, हरकी पैड़ी के आस-पास के सभी पुलों पर फसाड़ लाईटिग की व्यवस्था किये जाने की घोषणएं की।

सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगर क्षेत्रांतर्गत हर की पैड़ी पर गंगा आरती में प्रतिभाग के दौरान तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु कई सौगाते दी। उन्होने कहा कि प्राचीन शक्ति पीठो से सीधा सम्बन्ध रखने व हिन्दु धर्म के प्रसार के पुरातन केन्द्र के रुप में प्रसिद्व स्थाल सतीकुण्ड को शीघ्र ही विश्वस्तरीय संरचना के तहत भव्य रुप दिया जायेगा। उन्होने गंगा आरती के दौरान हर की पैड़ी पर एकत्र होने वाले तीर्थ यात्रियों की यात्रा को स्मरणीय बनाने के लिए गंगा अवतरण के दृश्य को लाईट, साउंड व लेजर शो के मध्यम से गंगा आरती को और अधिक भव्य रुप दिये जाने की बात कही। उन्होने कहा कि हरकी पैड़ी पर गंगा आरती के दौरान प्रत्येक दिन गंगा अवतरण के दृश्य का लाईट, साउंड व लेजर शो के माध्यम से प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होने हर की पैड़ी के आस-पास के सभी पुलो पर फसाड़ लाईटिगं की व्यवस्था किये जाने की बात कही। कहा कि हरकी पैड़ी के आसपास के पुल केवल कुम्भ के दौरान ही प्रकाशमान होते है। जबकि यहां तीर्थ यात्रियों का वर्ष-भर आना-जाना लगा रहता है, इसलिए हर की पैड़ी के आस-पास के सभी पुलों को प्रतिदिन शाम होते ही रंग बिरंगी रोशनी फसाड़ से प्रकाशमान किये जायेंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, एसएसपी परमेन्द्र डोभाल, वीसी एचआरडीए

अंशुल सिंह, सीडीओ प्रतीक जैन, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, अध्यक्ष बीजेपी संदीप गोयल सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि व तीर्थ यात्री उपस्थित थे।

जसपुर क्षेत्र में हुई हत्या का ऊधम सिंह नगर पुलिस ने किया खुलासा

शराब पीकर हुए आपसी विवाद में की गई हत्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऊधम सिंह नगर 05 दिसंबर : वादी लोकेन्द्र कुमार की तहरीर के आधार पर कोतवाली जसपुर में मु0 एफ0आई0आर0 न0- 476/23 धारा 304 भा0द0वि0 बनाम सतीश पंजीकृत किया गया था, व तहरीर किया गया था की दिनांक 01/12/23 को फाईव स्टार ईंट भट्टा ग्राम बहेडी उमरपुर धर्मपुर स्वामी शहजाद द्वारा फोन कर सूचना दी, के उसके पिताजी हरपाल सिहं का शव कटे हालत में मिट्टी में दबा पडा मिला है , शव मिलने के उपरान्त वादी द्वारा बताया गया की उसके पिताजी को आखरी बार सतीश उर्फ कलुवा पुत्र बाबु राम निवासी अंगदपुर थाना जसपुर के साथ शराब पिते देखा गया था ।उपरोक्त घटना के अनावरण के लिए श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद ऊधमसिहनगर द्वारा आदेश निर्देश दिये गये थे व श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय काशीपुर , व क्षेत्राधिकारी महोदय काशीपुर द्वारा उक्त घटना के अनावरण हेतू 05 टीमो का गठन किया गया था ।

कोतवाली जसपुर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुए नामजद अभियुक्त सतीश को ठाकुरद्वारा रोड

पेट्रोल पम्प के पास से दिनांक 03/12/2023 को समय 14.30 बजे गिरफ्तार कर पूछताछ की, तो सतीश द्वारा बताया गया की हरपाल सिहं को वह 20-25 सालो से जानता है दोनो साथ में ईंट भट्टे पर काम करते थे दोनो गहरे दोस्त थे , ओर दोनो साथ में बैठकर शराब पिते थे । दिनांक 30/11/23 को दोनो ने एक साथ शराब पी , शराब पिते –पिते दोनो का आपस में झगडा हो गया था, झगडे के दौरान सतीश ने ईंट व लिपटिस के डन्डे से हरपाल सिहं पर वार किया जिससे हरपाल सिहं गिर गया , पहले सतीश ने हरपाल सिहं को जगाने की कोशिश की लेकिन जब सतीश को लगा की हरपाल सिहं मर गया है तो डर के कारण हरपाल सिहं ने फावडे से गड्ढा खोदकर हरपाल सिहं को मिट्टी में दबाने का प्रयास किया ओर मौके से भाग गया । अभियुक्त सतीश की निशानदेही पर घटनास्थल से लिपटिस का डन्डा, एक अद्द ईंट, एक फावडा, बरामद कर मुकदमा उपरोक्त में धारा 201 भा0द0वि0 की बढोतरी की गई ।

एसएसपी नैनीताल के कुशल नेतृत्व में ब्लाइन्ड मर्डर का खुलासा

मौसेरा भाई ही निकला हत्यारा बदले की भावना व शक बना हत्या का कारण, धारदार हथियार से की थी हत्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 05 दिसंबर : गणेश कत्था फैक्ट्री रामपुर रोड़ टीपीनगर के पास ठेली लगाकर व्यवसाय करने वाले सुमेर कश्यप निवासी पीलीभीत के 30 वर्षीय पुत्र अमित कश्यप की अज्ञात द्वारा धारदार हथियार से मुंह व सर पर कई वार करके हत्या कर दी गयी। इस सम्बन्ध में वादी के तहरीर के आधार पर दिनॉक-28/11/2023 को कोतवाली हल्द्वानी में एफआईआर नं0 563/23 धारा 302 भा0द0वि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। उक्त सनसनीखेज हत्याकांड के खुलासे हेतु श्री प्रहलाद नारायण मीणा एसएसपी नैनीताल द्वारा श्री जगदीश चन्द्र एसपी क्राईम व श्री हरवंश सिंह एसपी सिटी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में व श्री भुपेन्द्र सिंह सीओ हल्द्वानी, श्रीमती संगीता सीओ लालकुँआ के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा पतारसी-सुरागरसी, घटनास्थल व शहर के सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन व मृतक के पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच प्रारम्भ की गयी । पुलिस टीम द्वारा दिनांक 03/12/2023 को घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त अरूण कश्यप निवासी पिलीभीत को ग्राम डी क्लास तल्ली हल्द्वानी स्थित हनुमान मंदिर के पास से

गिरफ्तार किया गया है तथा उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल पाटल को बरामद किया गया है। पूछताछ पर मृतक अमित कश्यप व उसके पिता सुमेर अभियुक्त अरूण कश्यप के मौसेरे भाई व मौसा हैं तथा अभियुक्त की पत्नी मृतक अमित की सगी साली है। अरूण कश्यप अपने पिता के लापता होने व भाई की मृत्यु (इसी वर्ष 26 अक्टूबर को पीलीभीत में जिसकी बॉडी पीलीभीत में तालाब में मिली थी) के लिये अपने मौसा के परिवार को जिम्मेदार मानता है साथ ही अपनी पत्नी का अपने जीजा के घर आने-जाने के कारण भी इनके ऊपर शक करता है, तथा अपनी हत्या किये जाने का भी डर उनके मन में बना था। उक्त कारण उसने योजना बनाई एवं घटना के दिन मंगलपड़ाव बाजार से पाटल खरीदा और 26 नवम्बर को ठेली पर अंधेरे का फायदा उठाकर पीछे से आकर उसके द्वारा अमित (मौसेरे भाई) की पाटल से वार करकर निर्मम हत्या कर दी गयी एवं फरार हो गया। सनसनी वारदात को अन्जाम देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को SSP NAINITAL ने उत्साहवर्धन हेतु 2,500 रूपये नगद ईनाम से पुरूस्कृत करने की घोषणा की है।

डीपफेक और सेक्सटॉर्शन जाल में रिटायर्ड IPS की एंट्री !

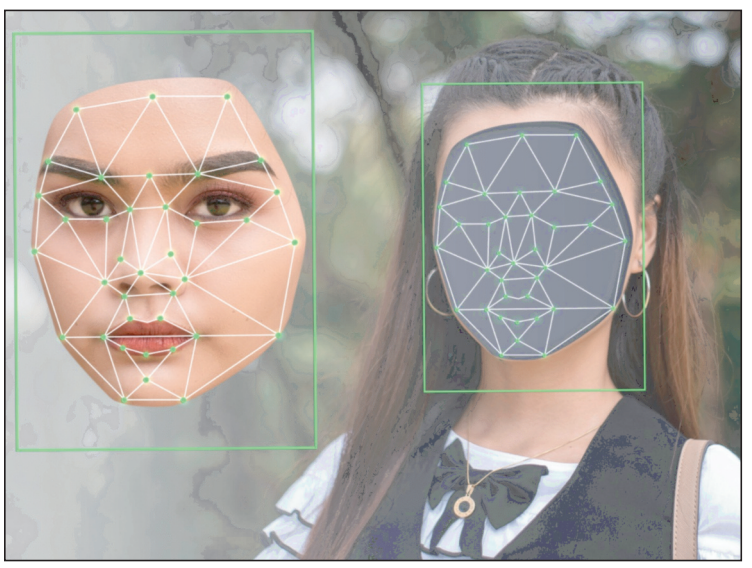

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 दिसंबर , गाजियाबाद के रहने वाले एक बुजुर्ग ने नया-नया स्मार्ट फोन खरीदा था, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि ये स्मार्ट फोन उनके जी जंजाल बन जाएगा। उन्हें ऐसा फंसाया जाएगा कि आत्महत्या तक करने की नौबत आ जाएगी। गाजियाबाद के रहने वाले ये बुजुर्ग दरअसल डीपफेक के जाल में फंस गए। ये जानना हर किसी के लिए जरूरी है कि ये डीपफेक है क्या और कैसे सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।जिस तरह कहानी बुनी गई ठीक उसी तरह हम आपको बता रहे हैं। गाजियाबाद में रहने वाले 76 साल के पंकज कुमार सिंह (बदला हुआ नाम) के पास उनके फोन पर एक वीडियो कॉल आई। ये वीडियो कॉल फेसबुक अकाउंट से की कई थी। कॉल बजी तो पंकज कुमार ने फोन उठा लिया। पंकज कुमार ने कुछ दिन पहले ही स्मार्ट फोन खरीदा था और इसलिए वो फोन के फीचर से ज्यादा वाकिफ नहीं थे। जैसे ही उन्होंने कॉल उठाई दूसरी तरफ एक न्यूड लड़की थी। सामने अश्लील वीडियो देखकर वो घबरा गए, उन्होंने तुरंत कॉल काट दी,लेकिन वो जाल में फंस चुके थे।अगले दिन पंकज कुमार के पास फिर एक वीडियो कॉल आई। इस बार जब उन्होंने फोन उठाया तो दूसरी तरफ एक आईपीएस ऑफिसर था। ये एक धमकी कॉल थी। इस आईपीएस ऑफिसर ने पंकज कुमार को कहा गया कि उनका अश्लील वीडियो कैद हो चुका है और अगर बचना है तो उन्हें पैसे देने होंगे। वो समझ पा रहे थे कि वो किस जाल में फंस गए हैं। पुलिस ऑफिसर की धमकी के बाद वो बेहद डर गए। उनसे 5000 रुपये की मांग की गई। उनके पास एक अकाउंट नंबर दिया गया और पैसे उसमें ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। पंकज ने पैसे ट्रांसफर कर दिए।

अश्लील वीडियो के नाम पर लिए 74 हजार रुपये

इसके बाद पैसे मांगने का सिलसिला चलता रहा। अकसर पंकज कुमार के पास पैसे मांगने के लिए फोन आने लगे। उन्हें धमकियां मिलने लगी कि अगर पैसे नहीं दिए तो उनका वीडियो सोशल मीडिया में डाल दिया जाएगा और उनके रिश्तेदारों तक भी भेज दिया जाएगा। 5000 हजार, 10 हजार, 15 हजार, इस तरह वो 74 हजार रुपये दे चुके थे। वो रोज की डिमांड से तंग आ चुके थे। उनके दिमाग में सुसाइड तक के ख्याल आने लगे। आखिरकार परेशान होकर उन्होंने अपने परिवार की पूरी बात बताई।

डीपफेक कर तैयार किया गया IPS का चेहरा

पंकज कुमार की बेटी ने पूरे मामले को जाना और सबसे पहले उस आईपीएस ऑफिसर के बारे में जानकारी निकाली जो उन्हें वीडियो कॉल में धमकी दे रहा था। गूगल में सर्च करने के बाद पता चला कि वो वीडियो कॉल में जो शख्स है वो रिटायर्ड एडीजी प्रेम प्रकाश हैं। अब सवाल ये था कि वो ऐसा काम क्यों कर रहे हैं। पंकज कुमार के परिवारवालों ने मामले की शिकायत दर्ज करवाई। जांच शुरू हुई तो पता चला कि ये पूरा मामला डीप फेक आईडी का है।

एआई के टूल डीपफेक से हो रही लूट

दरअसल एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से पूर्व एडीजी के चेहरे को डीपफेक किया गया था जो बिल्कुल हुबहु था। ये जालसाजों का लोगों को लूटने का एक तरीका था। हालांकि इस वीडियो को अगर ध्यान से देखा जाता जो उनके बोलने में ये पता चल रहा था कि ये आर्टिफिशियल तैयार किया गया है, लेकिन आम आदमी के लिए इसे पहचानना आसान नहीं था। अब इस पूरे मामले की जांच चल रही है।

पहली बार IPS का चेहरा हुआ इस्तेमाल

डीपफेक के कई केस पहले भी आए हैं, लेकिन ये पहली बार हुआ है जब किसी आईपीएस का चेहरा लेकर डीपफेकिंग की गई हो। डीपफेक्स एआई का एक टूल है। इंटरनेट पर मौजूद डाटा और फोटो की मदद से एक आर्टिफिशियल इमेज या वीडियो तैयार कर दिया जाता है जो कि बिल्कुल असली लगता है। क्रिमिनल्स इस तकनीक को लोगों को फंसाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।